# छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 293 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 19 नवम्बर 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com


# दबिश से पहले शोएब भागा: टीआई विनीत दुबे निलंबित, मामला 25 करोड़ रंगदारी का

**छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर।** कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा से 25 करोड़ रुपये की कथित रंगदारी मांगने के मामले में नारायणपुर में पदस्थ टीआई विनीत दुबे को बस्तर रेंज आईजी बद्री नारायण मीणा ने निलम्बित कर दिया है। यह कार्रवाई रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला की रिपोर्ट के आधार पर की गई है। पुलिस मुख्यालय के आदेश में कहा गया है कि विनीत दुबे ने अपने पद के अनुरूप काम नहीं किया और उनका व्यवहार नियमों के खिलाफ पाया गया।



मामला रायपुर के तेलीबांधा थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 403/2026 से जुड़ा है। पुलिस की गोपनीय कार्रवाई की जानकारी लीक होने के बाद विभाग ने जांच शुरू की थी। आरोप है कि, जानकारी मिलने पर फरार आरोपी शोएब ढेबर दबिश से पहले ही निकल गया था। पुलिस फरार आरोपी शोएब ढेबर की तलाश कर रही है। आरोप है कि उसने कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा से 25 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए खम्हारडीह समेत कई ठिकानों पर दबिश की योजना बनाई थी, लेकिन टीम के पहुंचने से पहले ही शोएब वहां से निकल गया। इसके बाद गोपनीय रणनीति लीक होने की आशंका पर आंतरिक जांच शुरू हुई।

***रायपुर कमिश्नर की रिपोर्ट पर कार्रवाई***-बस्तर आईजी कार्यालय से जारी आदेश के मुताबिक, रायपुर पुलिस कमिश्नर ने 30 अक्टूबर 2026 को पत्र के माध्यम से टीआई विनीत दुबे के संबंध में प्रतिवेदन भेजा था। इसी के आधार पर आचरण संदिग्ध और विभागीय मर्यादा के विपरीत पाए जाने पर निलंबन किया गया। निलंबन अवधि में विनीत दुबे का मुख्यालय रक्षित केंद्र, नारायणपुर रहेगा। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा।

***दो आरक्षक भी पहले हो चुके हैं निलंबित***-गोपनीय सूचना लीक के संदेह में इससे पहले एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) में पदस्थ आरक्षक शिवम द्विवेदी और राहुल सिंह गौतम को भी निलंबित किया गया था।

# ट्रैंकुलाइज के बाद कबरा कान हाथी को रेडियो कॉलर पहनाकर जंगल में छोड़ा

## 19 मौतों के जिम्मेदार हाथी को काबू में करने आतिशबाजी करके झुंड को बिखेरा गया

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** छह माह में तीन जिलों में 19 लोगों को कुचलकर मारने वाले खूंखार कबरा कान हाथी को आखिरकार वन विभाग व ट्रैंकुलाइज टीम ने छठवें दिन काबू में कर लिया। छह दिन तक चले लंबे रेस्क्यू अभियान के बाद बुधवार को उसे ट्रैंकुलाइज किया गया। उम्मीद थी कि उसे पकड़कर रमकोला रेस्क्यू सेंटर भेजा जाएगा, लेकिन विभाग



**झुंड में छिपा था, कुमकी हाथियों ने घेरा**-कबरा हाथी पिछले कई दिनों से बलरामपुर, सूरजपुर और सरगुजा की सीमा पर आतंक मचाए हुए था। वह 17 हाथियों के झुंड के साथ उदयपुर वन परिक्षेत्र में घूम रहा था। झुंड के बीच होने की वजह से पांच दिन तक वन विभाग की टीम उसे निशाना नहीं बना पाई। बुधवार सुबह करीब 8.30 बजे टीम कुमकी हाथी तीरथ और दुर्योधन को लेकर जंगल में उतरी। रामगढ़ पहाड़ी के नीचे आतिशबाजी कर झुंड को बिखेरा गया और कबरा को अलग किया गया। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर 12.30 बजे ट्रैंकुलाइजर गन से डार्ट मारा गया। डार्ट लगते ही वह धीरे-धीरे बेहोश होने लगा और टीम ने उसे घेर लिया।

**कॉलर से लोकेशन मिलने का दावा**-बेहोश हाथी के पास सीसीएफ वन्यजीव डॉ. प्रणय मिश्रा के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम पहुंची। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे हाई फ्रिक्वेंसी रेडियो कॉलर पहनाया गया। विभाग का दावा है कि अब सैटेलाइट के जरिए उसकी हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी और गांव के पास आते ही अलर्ट जारी कर दिया जाएगा। लेकिन ग्रामीण इस दावे से संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि पहले भी लोकेशन मिलने के बाद भी सूचना देर से मिलती थी। मांग की जा रही है कि कबरा कान हाथी को स्थायी रूप से रेस्क्यू सेंटर में रखा जाए।

**तीन दिन तक होगा व्यवहार का अध्ययन**-वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक अगले तीन दिन तक वाइल्ड लाइफ की विशेष टीम कबरा के व्यवहार, चाल-ढाल और झुंड से अलग रहने की प्रवृत्ति का अध्ययन करेगी। वह आक्रामक है या अब शांत हो रहा है, इसी आधार पर आगे का फैसला लिया जाएगा। अगर वह फिर हमलावर हुआ तो उसे पकड़कर रेस्क्यू सेंटर भेजने पर विचार होगा। अभियान के बाद कुमकी हाथी तीरथ और दुर्योधन को वापस भेज दिया गया। फिलहाल कबरा हाथी जंगल में है, लेकिन उसके गर्दन में लगाया गया कॉलर वन विभाग को पल-पल की खबर दे रहा है। ग्रामीणों की नजर अब अगले तीन दिन के अध्ययन पर टिकी है।

समेत आसपास के गांवों में दहशत और नाराजगी दोनों बढ़ गई है। हाथी कब, किस गांव में घुस जाए, इसका कोई भरोसा नहीं। ग्रामीणों का मानना है कि, रेडियो कॉलर लगाने से जान का खतरा खत्म नहीं होगा, इसे रमकोला ले जाना ही उचित होगा। इस पूरे ऑपरेशन में डीएफओ सूरजपुर विपुल अग्रवाल, डीएफओ सरगुजा लोकनाथ पटेल, डिप्टी डायरेक्टर एलिफेंट रिजर्व सौरभ सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में वनकर्मी, ट्रैकर और पुलिस बल तैनात रहे।

ने हाई फ्रिक्वेंसी रेडियो कॉलर लगाकर फिर से उसी जंगल में छोड़ दिया। इस फैसले से उदयपुर

### झापी नाला के पास आधे घंटे तक सड़क पर डटा रहा दंतैल

**जरही।** अंबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग पर एक अन्य दंतैल हाथी की मौजूदगी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बुधवार शाम करीब 5.30 बजे सोनगरा जंगल के झापी नाला के पास एक दंतैल हाथी अचानक सड़क पर पहुंच गया और करीब आधे घंटे तक मार्ग पर ही खड़ा रहा। हाथी को सड़क पर खड़ा देखकर दोनों ओर से आने-जाने वाले वाहन चालकों और राहगीरों में हड़कंप मच गया। जंगल के बीच मुख्य मार्ग पर हाथी की मौजूदगी के कारण लोग आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं जुटा सके। कई वाहन चालक सुरक्षित दूरी बनाकर हाथी के सड़क से हटने का इंतजार करते रहे। करीब आधे घंटे तक हाथी की मौजूदगी के कारण इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दंतैल हाथी की मौजूदगी ने एक बार फिर वन क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

# 3-4 बच्चे पैदा करने में परेशानी नहीं, स्वास्थ्य मंत्री के बयान पर सिंहदेव का पलटवार

**छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी।** छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के तीन से ज्यादा बच्चे पैदा करने और फर्टिलिटी रेट बढ़ाने वाले बयान पर सियासत गरमा गई है। पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने स्वास्थ्य मंत्री के बयान को गैरजिम्मेदाराना और नासमझी भरा बताया है। इतना ही नहीं, सरगुजा में कांग्रेस की वापसी में 50 साल लगने वाले स्वास्थ्य मंत्री के बयान पर भी सिंहदेव ने



पलटवार किया है, वहीं 200 से ज्यादा सरकारी स्कूलों को पीपीपी मॉडल पर संचालित करने की शिक्षा मंत्री की घोषणा पर भी सिंहदेव ने सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं।

***गरमाई प्रदेश की सियासत***

स्वास्थ्य मंत्री के बयानों ने प्रदेश की सियासत में नई बहस छेड़ दी है। जनसंख्या नियंत्रण सरगुजा में कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति और सरकारी स्कूलों के निजी संस्थाओं के जरिए संचालन जैसे मुद्दों पर अब सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं। आने वाले समय में सत्ता और विपक्ष की अब बयान बाजी भी सामने आने लगेंगे देखना होगा कि सत्ता पक्ष के द्वारा दिए गए बयानों को लेकर अब कौन-कौन सी और नई प्रतिक्रिया सामने आती है।

**छत्तीसगढ़ की फर्टिलिटी दर राष्ट्रीय औसत से कम**-एमसीबी जिले के चिरमिरी में मीडिया से चर्चा करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने छत्तीसगढ़ की फर्टिलिटी दर को राष्ट्रीय औसत से कम बताया कि मंत्री के मुताबिक देश का औसत 2.2 है, जबकि छत्तीसगढ़ की फर्टिलिटी दर 1.8 है। उन्होंने कहा कि सरकार अब लोगों को प्रोत्साहित कर परिवार नियोजन नहीं कर रही है। उनका मानना है कि प्रदेश की फर्टिलिटी दर राष्ट्रीय औसत के बराबर होनी चाहिए, हालांकि उन्होंने जबरन नसबंदी की बात से इनकार करते हुए कहा कि स्वेच्छा से आने वालों की नसबंदी की जाती है और दो से अधिक बच्चे होने पर भी कोई परेशानी नहीं है।

**मंत्री के बयान पर टीएस की तीखी प्रतिक्रिया**-स्वास्थ्य मंत्री के इस बयान पर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है,सिंहदेव ने इसे गैरजिम्मेदाराना और नासमझी भरा बयान बताया। उन्होंने कहा कि देश की आबादी डेढ़ सौ करोड़ के पार पहुंच चुकी है और सीमित संसाधनों के बीच बढ़ती जनसंख्या प्रति व्यक्ति आय कम होने की एक बड़ी वजह है। सिंहदेव ने कहा कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के बावजूद भारत की प्रति व्यक्ति आय काफी पीछे है। ऐसे में जनसंख्या को लेकर इस तरह के बयान देना उचित नहीं है।

**सरगुजा में कांग्रेस की वापसी को लेकर बयानबाजी**-इधर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सरगुजा में कांग्रेस की राजनीतिक वापसी को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि 2018 में कांग्रेस को सरगुजा की 14 सीटें मिली थीं, लेकिन 2023 में पार्टी एक भी सीट नहीं बचा पाई। मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस ने सरगुजा में इतनी राजनीतिक जमीन खो दी है कि वापसी में 50 साल लग जाएंगे और पार्टी आगामी चुनाव में खाता तक नहीं खोल पाएगी। स्वास्थ्य मंत्री के इस बयान पर भी टीएस सिंहदेव ने जवाब दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि जनता ने कांग्रेस के कामकाज को पसंद नहीं किया। जिसकी वजह से पार्टी को हार का सामना करना पड़ा,हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन करेगी और सरगुजा में अपनी खोई राजनीतिक जमीन वापस हासिल करेगी।

**पीपीपी मॉडल पर सरकार को घेरा**-सरकारी स्कूलों को पीपीपी मॉडल पर संचालित करने की सरकार की योजना पर भी टीएस सिंहदेव ने सवाल उठाए हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने प्रदेश के 200 से ज्यादा स्कूलों को पीपीपी मॉडल पर चलाने की बात कही है। सरकार का दावा है कि स्कूलों के भवन और विद्यार्थी सरकार के होंगे। जबकि संचालन की जिम्मेदारी निजी संस्थाओं को दी जाएगी।

आदिवासी क्षेत्रों में डीएव्ही स्कूलों की तर्ज पर इस मॉडल को लागू करने की तैयारी है,शिक्षा मंत्री ने स्कूल बंद करने की खबरों को भी भ्रामक बताया है, लेकिन सरकार की इस योजना पर सिंहदेव ने आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के भवन जनता के टैक्स के पैसे से बने हैं,ऐसे में सरकारी संसाधनों का इस्तेमाल निजी संस्थाओं को कमाई का अवसर देने के लिए क्यों किया जा रहा है।

सिंहदेव के मुताबिक सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सबसे जरूरी शिक्षकों की भर्ती है। उन्होंने विधानसभा में पूर्व शिक्षा मंत्री की ओर से करीब 35 हजार शिक्षकों की भर्ती की बात का जिक्र करते हुए कहा कि समस्या स्कूलों के संचालन की नहीं बल्कि शिक्षकों की कमी दूर करने की है।

# PMGSY सड़कों में 19 करोड़ों की गड़बड़ी, डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने 13 इंजीनियर को किया सस्पेंड

**छ.ग.फ्रंटलाइन बस्तर।** नक्सल प्रभावित गांवों तक विकास पहुंचाने के नाम पर सरकारी खजाने से करोड़ों रुपए खर्च होते रहे, लेकिन जिन गांवों



को सड़क मिलनी थी, वहां सड़कें जमीन पर उतरने के बजाय सरकारी पोर्टल पर ही बनती रहीं। कहीं निर्माण अधूरा था तो कहीं सड़क का नामोनिशान तक नहीं मिला, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में काम पूरा दिखाकर भुगतान कर दिया गया। नक्सलवाद के खात्मे के बाद जब इन इलाकों में विकास कार्यों की जमीनी पड़ताल शुरू हुई तो ऐसा खेल सामने आया जिसने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बीजापुर जिले में पीएमजीएसवाई की 24 सड़कों की जांच में 19 करोड़ 17 लाख रुपए से अधिक के अतिरिक्त भुगतान और अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। मामले में राज्य सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इनमें तीन तत्कालीन कार्यपालन अभियंता, छह सहायक अभियंता और चार उप अभियंता शामिल हैं। पांच सेवानिवृत्त अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। वहीं ठेकेदारों से करोड़ों रुपए की वसूली और एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

# भाजपा सरकार का काम नंबर देने योग्य नहीं

## जनता की नहीं, कार्पोरेट घरानों की आवाज बनकर रह गए

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** सरगुजा संभाग के दौरे पर पहुंचे नवनियुक्त प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत ने बुधवार को राजीव भवन में प्रेस से चर्चा के दौरान भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा और कहा कि 16 नवंबर को वे मुख्यमंत्री के क्षेत्र से दौरा शुरू किए, जमीन पर विकास नदारद मिला। जशपुर, सरगुजा और सूरजपुर के विभिन्न गांवों में बूथ स्तरीय चौपाल को संबोधित करने के साथ ही वे ग्राम साल्ही जाकर परसा-केते परियोजना के प्रभावित ग्रामीणों से भी मुलाकात किए थे।



पत्रकारों के सवाल पर प्रदेश प्रभारी ने कहा-छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार का कामकाज नंबर देने योग्य नहीं है। प्रदेश कांग्रेस में कोई गुटबाजी नहीं है। सभी नेता केंद्रीय नेतृत्व के साथ एकजुट होकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं। कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र है, भाजपा की तरह नहीं जहां मोदी और शाह का एकतरफा संवाद चलता है। सुखदेव भगत ने कहा कि राहुल गांधी ने तकरीबन दो साल पहले वोट चोरी की बातें कही थीं। यह मुद्दा सिर्फ किसी एक पार्टी का नहीं है, यह देश के हर नागरिक का मुद्दा है। वोट केवल एक मत नहीं, बल्कि यह नागरिक के अधिकार, उसकी आवाज और उसके भविष्य का सवाल है। अगर वोट की ही चोरी हो जाएगी, तो लोकतंत्र की बुनियाद ही कमजोर हो जाएगी। इसे लेकर कांग्रेस देशभर में लोगों को जागरूक कर रही है। मताधिकार जैसे संवैधानिक अधिकारियों का हनन मोदी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश की जोड़ी, मोदी के इशारे पर ही कर रही है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा-सैंया भये कोतवाल तो डर काहे का, संवैधानिक संस्थान राजनैतिक प्रतिशोध लेने में लगे हैं। सरकार कॉरपोरेट के हित में काम कर रही है, प्रदेश की जनता के हित में नहीं। प्रदेश सह प्रभारी ने आगे कहा कि जल, जंगल, जमीन का मुद्दा हमारे लिए नारा नहीं, बल्कि आम जनता के प्रति हमारी राजनीतिक प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार आदिवासी हितों के लिए दमनकारी है। उन्होंने कहा कि वोट की रक्षा ही देश की रक्षा है। यह अभियान गांव-गांव तक पहुंचेगा। पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर मतदाताओं को जागरूक करेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे अपने वोट के अधिकार के प्रति सजग रहें और किसी भी तरह की गड़बड़ी की सूचना तुरंत कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दें। सुखदेव भगत ने कहा कि, स्मार्ट मीटर के आड़ में मनमाना बिजली बिल वसूला जा रहा है। एक बिजली बिल दिखाते हुए बताया कि मुख्यमंत्री के क्षेत्र में एक माह का 33 हजार 710 रुपये बिल उपभोक्ता को मिला है। प्रदेश की सत्ता में कठपुतली को बैठाया गया है, जो जनता की नहीं, कार्पोरेट घरानों की आवाज बन रहे हैं। इस दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, जरिता लैतफलांग, चरणदास महंत, बालकृष्ण पाठक, जय सिंह अग्रवाल, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, डॉ. प्रेमसाय सिंह, अजय अग्रवाल, शफी अहमद, जेपी श्रीवास्तव सहित काफी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

***ग्रामीणों की पीड़ा नहीं कोयला नजर आ रहा***

सुखदेव राम ने कहा कि, जल, जंगल और जमीन की बातों के बीच जंगल में रहने वाले लोगों की पीड़ा सरकार को नजर नहीं आ रही है, कोयला नजर आ रहा है। इन्हें विस्थापित करने का काम किया जा रहा है। हमने भी संकल्प लिया है कि इसके लिए कांग्रेस संवैधानिक लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का विधानसभा राज्य की सर्वोच्च पंचायत है, यहां कांग्रेस सरकार ने विपक्ष के मौजूदगी में विधानसभा में संकल्प पारित किया था कि अरण्य क्षेत्रों में कोई नया खदान नहीं खुलेगा, लेकिन विष्णुदेव सरकार ने शपथ से पहले सर्वसम्मति से पारित इस निर्णय की धज्जियां उड़ा दीं। पेशा कानून, पांचवीं अनुसूची का उल्लंघन करके ग्रामीणों के परंपरागत जीवनशैली को प्रभावित करने का काम इस सरकार ने किया है।

# पीआरए ग्रुप के घर और दफ्तर पर आयकर की टीम ने दी दबिश

## कई शहरों में एक साथ कार्रवाई, विभाग से नहीं मिली आधिकारिक जानकारी

**छ.ग.फ्रंटलाइनअंबिकापुर।** शहर में बुधवार सुबह आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई से हड़कंप मच गया। सड़क निर्माण के बड़े ठेकेदार और पीआरए ग्रुप के मालिक रमेशचंद्र अग्रवाल के ठिकानों पर विभाग की टीम ने एक साथ छापा मारा। सुबह से ही एमजी रोड स्थित उनके निवास और ब्रह्म रोड स्थित बर्बरिक प्रोजेक्ट लिमिटेड के कार्यालय में जांच चली।

जानकारी के मुताबिक, दो वाहनों में आयकर के करीब एक दर्जन से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों के साथ टीम पहुंची। टीम ने इनके दोनों ठिकानों को घेर लिया गया। अंदर मौजूद कर्मचारियों और स्वजन से घंटों पूछताछ के साथ दस्तावेज, कंप्यूटर, फाइलें और लेन-देन से जुड़े कागजात खंगाले जा रहे हैं। अंबिकापुर में पीआरए ग्रुप का नाम सड़क निर्माण और बड़े सरकारी ठेकों में काफी चर्चित है। बर्बरिक प्रोजेक्ट लिमिटेड भी इसी ग्रुप से जुड़ी कंपनी बताई जा रही है। इसी वजह से इस कार्रवाई को काफी अहम माना जा रहा है। हालांकि छापे के पीछे की वजह क्या है, किस शिकायत या इनपुट पर कार्रवाई हुई है, इसे लेकर विभाग की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। टीम भी मीडिया से बचते रही। स्थानीय लोगों के बीच इस कार्रवाई को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। एमजी रोड



और ब्रह्म रोड पर लोग जमा रहे, लेकिन पुलिस और विभाग के अधिकारियों ने किसी को अंदर जाने नहीं दिया। सूत्रों का कहना है कि टीम को अगर बड़े पैमाने पर बेहिसाब लेन-देन, नकदी या दस्तावेज मिलते हैं तो कार्रवाई आगे भी बढ़ सकती है। फिलहाल आयकर विभाग की टीम जांच में जुटी है।

***चार जिलों में एक साथ पड़ा छापा***

सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई केवल अंबिकापुर तक सीमित नहीं है। सरगुजा के अलावा रायपुर, बिलासपुर और रायगढ़ समेत प्रदेश के कई शहरों में आयकर विभाग की अलग-अलग टीमें एक साथ अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दी हैं। माना जा रहा है कि यह एक बड़े नेटवर्क से जुड़े जांच का हिस्सा है, जिसमें कई फर्मों के हिसाब-किताब की जांच की जा रही है।

# कांग्रेस के मंच का संचालन करना शिक्षक को पड़ा भारी

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** सीतापुर में एक शासकीय शिक्षक को राजनीतिक मंच का संचालन करना भारी पड़ गया है। जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा ने शिक्षक सुशील मिश्रा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर 24 घंटे के भीतर लिखित स्पष्टीकरण मांगा है। जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर संकुल समन्वयक के प्रभार से पृथक करने, तत्काल निलंबन और विभागीय जांच की चेतावनी भी दी गई है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से 17 नवंबर को जारी पत्र के अनुसार, यह कार्रवाई भाजपा मंडल अध्यक्ष सीतापुर/उप सरपंच ग्राम पंचायत सहनपुर त्रिलोचन सदावर्ती के शिकायत पर की गई है। शिकायत पत्र 17 नवम्बर को कलेक्टर को प्रस्तुत किया गया था। शिकायत के साथ सोशल मीडिया के फोटो और वीडियो साक्ष्य भी संलग्न किए गए थे। पत्र में कहा गया है कि सुशील मिश्रा, शिक्षक (एल.बी.), मूल पदस्थापना शासकीय माध्यमिक शाला गाड़ाबहरी, संकुल-लिचिरमा, वर्तमान में संकुल शैक्षिक समन्वयक, संकुल केंद्र-आदर्शनगर, विकासखंड सीतापुर के विरुद्ध राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी एवं विभागीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरतने की गंभीर शिकायत प्राप्त हुई है।

**16 नवंबर के कार्यक्रम का वीडियो बना आधार**-शिकायत में उल्लेखित तथ्यों के अनुसार, 16 नवंबर को सोशल मीडिया पर प्रसारित फोटो एवं वीडियो में सुशील मिश्रा एक विशेष राजनीतिक दल के बड़े राजनीतिक आयोजन के मंच का सक्रिय रूप से संचालन करते हुए तथा सार्वजनिक मंच से संबंधित राजनीतिक दल एवं जनप्रतिनिधियों के पक्ष में प्रशंसात्मक वक्तव्य देते हुए स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। डीईओ ने पत्र में लिखा है कि एक नियमित शासकीय सेवक होने के नाते उनसे यह अपेक्षित है कि वे सदैव राजनीतिक तटस्थता बनाए रखें तथा अपने पदीय कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। इसके विपरीत सार्वजनिक राजनीतिक मंच का संचालन करना एवं किसी राजनीतिक दल के पक्ष में प्रचार/प्रशंसात्मक वक्तव्य देना पदीय दायित्वों के प्रति घोर अनुशासनहीनता एवं स्वेच्छाचारिता को दर्शाता है। यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम का प्रत्यक्ष एवं गंभीर उल्लंघन है, जो एक लोक सेवक की गरिमा के सर्वथा प्रतिकूल होने के कारण कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई एवं दीर्घ शास्ती योग्य है। शिक्षक को अपना लिखित स्पष्टीकरण समस्त सुसंगत साक्ष्यों सहित पत्र प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर करने कहा गया है।

**संतोषजनक जवाब नहीं देने पर होगी यह कार्रवाई**-पत्र में उल्लेख है कि एक शासकीय शिक्षक एवं संकुल समन्वयक के महत्वपूर्ण प्रशासनिक दायित्व पर रहते हुए राजनीतिक दल के मंच पर सक्रिय रूप से मंच संचालन एवं राजनीतिक वक्तव्य देने वे किस हैसियत से सम्मिलित हुए? क्यों न उक्त गंभीर कदाचरण एवं सिविल सेवा आचरण नियमों के स्पष्ट उल्लंघन के फलस्वरूप उन्हें तत्काल प्रभाव से संकुल समन्वयक के प्रभार से पृथक करते हुए, उनके विरुद्ध निलंबन एवं विभागीय जांच की कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई संस्थित की जाए? पत्र में यह भी कहा गया है कि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं होने अथवा प्रस्तुत स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाए जाने की स्थिति में यह माना जाएगा कि उन्हें अपने बचाव में कुछ नहीं कहना है, उनके विरुद्ध एकपक्षीय कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी, जिसके लिए वे स्वयं व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।


(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

# कम धान बेचने पर भी मिलेगी प्रति एकड़ 13,839 रुपये की पूरी आदान सहायता

★ कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में दिए पारदर्शी धान खरीदी के निर्देश ★ हर पात्र किसान का धान सहजता से खरीदा जाए, आदान सहायता की जानकारी हर किसान तक पहुँचे : कलेक्टर ★ समय-सीमा की बैठक संपन्न



**बलरामपुर-रामानुजगंज, छ.ग. फ्रंटलाइन।** कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान खरीदी की अद्यतन स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। कलेक्टर ने किसानों के रकबा पंजीयन में विशेष सावधानी बरतने की हिदायत दी। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि धान खरीदी में पूरी पारदर्शिता रखी जाए और प्राथमिकता यह हो कि हर पात्र किसान का धान सहज और व्यवस्थित ढंग से खरीदा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कलेक्टर ने बताया कि राज्य सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 की धान खरीदी नीति में किसानों के हित में अहम निर्णय लिया है। कृषक उन्नति योजना के तहत पात्र किसानों को प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की एक समान आदान सहायता राशि दी जाएगी। यदि कोई किसान एक एकड़ में केवल 10 से 15 क्विंटल धान का उत्पादन करता है और उतना ही धान बेचता है, तब भी उसे इस योजना में प्रति एकड़ पूरी 13,839 रुपये की राशि मिलेगी। इसी तरह दो एकड़ पात्र रकबे वाले किसान को 27 हजार 678 रुपये और तीन एकड़ वाले किसान को 41 हजार 517 रुपये की सहायता मिल सकेगी। इस वर्ष कॉमन ग्रेड धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,441 रुपये और ग्रेड-ए धान का 2,461 रुपये प्रति क्विंटल है। राज्य सरकार किसानों को समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना की सहायता मिलाकर 3,100 रुपये प्रति क्विंटल का लाभ दे रही है। सामान्य धान के समर्थन मूल्य और इस दर के बीच 659 रुपये प्रति क्विंटल का अंतर है। प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल खरीदी के आधार पर यही अंतर 13,839 रुपये बनता है। सरकार ने इस राशि को एक समान आदान सहायता के रूप में तय किया है, ताकि कम उपज होने या सीमा से कम धान बेचने पर भी किसानों की सहायता राशि में कोई कटौती न हो।

कृषि उन्नति योजना का लाभ लेने के लिए किसान को आवेदन करना अनिवार्य है। जिसके लिए कृषक बंधु धान उपार्जन केंद्र पहुंचने पर अवेदन कर सकते हैं।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कोई भी खसरा सत्यापन और संबंधित राजस्व अधिकारी की पुष्टि के बिना न जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्रों में धान की स्टैकिंग महत्वपूर्ण है और संबंधित अधिकारी इसका भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने केन्द्रों में पर्याप्त बारदाना, इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरण, धान के सुरक्षित रखरखाव, परिवहन और किसानों के लिए अन्य जरूरी सुविधाएँ सुनिश्चित करने को भी कहा। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को आदान सहायता संबंधी इस निर्णय का व्यापक प्रचार-प्रसार कर हर किसान तक जानकारी पहुँचाने के निर्देश दिए, ताकि कम उत्पादन वाले किसान भी योजना का पूरा लाभ ले सकें और कोई भी पात्र किसान एग्रीस्टैक पंजीयन व रकबा सत्यापन से छूट न जाए।

बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागीय योजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा कर अधिकारियों को तय लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा, ताकि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक समय पर पहुँचे। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की विभागवार गहन समीक्षा भी की गई।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार सिदार, श्री आर. एस. लाल, श्री अभिषेक गुप्ता, सर्व एसडीएम एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

## ठेका श्रमिकों की 15 सूत्रीय मांगों को लेकर क्रमिक भूख दूसरे दिन भी जारी

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक बिश्रामपुर क्षेत्र द्वारा ठेका श्रमिकों की 15 सूत्रीय लंबित मांगों के निराकरण की मांग को लेकर 17 नवंबर से महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष जारी सात दिवसीय क्रमिक भूख हड़ताल आज दूसरे दिन भी जारी रही। संघ के क्षेत्रीय सचिव पंकज कुमार गर्ग ने बताया कि आज दूसरे दिन बुधवार को ठेका श्रमिक विनोद कुमार बघेल, घरभरण राजवाड़े, नेतलाल, मोहन सिंह, प्यारेलाल, खेल साय, टकेश्वर, गोरेलाल, डॉक्टर प्रसाद, दुर्जन सिंह बैठे रहे।संघ का कहना है कि यदि निर्धारित अवधि में भी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो 25 नवंबर से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू किया जाएगा। ठेका श्रमिकों की मांग है कि सभी खदानों में कार्य समिति का अनिवार्य गठन किया जाए। सभी ठेका श्रमिकों को नियमानुसार नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र प्रदान किया जाए।कोयला ट्रांसपोर्ट, साइडिंग, सोलर प्लांट एवं खान परिसर के सभी कामगारों को एचपीसी वेज का भुगतान हो। बायोमेट्रिक व उपस्थिति रजिस्टर में हाजिरी दर्ज हो एवं प्रति माह 26 दिन का कार्य सुनिश्चित किया जाए। हर महीने की 7 तारीख तक वेतन भुगतान और अनिवार्य वेतन पर्ची दी जाए। कॉरपोरेट बैंक खातों से वेतन भुगतान हो ताकि श्रमिकों को कॉरपोरेट बीमा का लाभ मिल सके।



बोनस/पीएलआई का पूर्ण भुगतान हो तथा गायत्री एवं केतकी खदान के वर्ष 2024-25 का बकाया बोनस तुरंत दिया जाए। खदानों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन हो और दुर्घटनाओं को छुपाने की प्रथा पर तत्काल रोक लगे। गायत्री एवं केतकी खदान के आसपास रोजगार के नाम पर हो रही अवैध धन उगाही की उच्चस्तरीय जांच कराकर भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए। पूर्व में वेतन से काटी गई सीएमपीएफ राशि की तत्काल वापसी या समायोजन किया जाए।

## पति की प्रताड़ना से तंग विवाहिता के आत्महत्या मामले में पति के खिलाफ जुर्म दर्ज

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** ग्राम पंचायत सतपता यादवपारा में 22 वर्षीय जीरवन्ती यादव ने कथित तौर पर पति की लगातार मारपीट और घरेलू विवादों से परेशान होकर पिछले दिनों 17 अगस्त को गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मर्ग जांच पूरी होने के तीन माह बाद पुलिस ने बुधवार को पति उगेश कुमार यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत सतपता निवासी 22 वर्षीय जीरवन्ती यादव ने तीन माह पूर्व पति 32 वर्षीय उगेश कुमार यादव पिता राम सुभग की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मामले में मर्ग जांच के दौरान गवाहों के बयान दर्ज




किए गए। जांच में सामने आया कि मृतिका की मृत्यु उसके पति द्वारा किए गए प्रताड़ना, मारपीट और झगड़ों के कारण हुई है। इसी आधार पर पुलिस ने मंगलवार 17 नवंबर को पति उगेश कुमार यादव के खिलाफ धारा 108 बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि उगेश कुमार यादव का विवाह 3 मई 2023 को हुआ था। उनके 14 महीने का बेटा हिमांशु भी है। घटना वाले दिन उगेश सुबह ड्यूटी पर गोरखनाथपुर गया था। रात करीब साढ़े आठ बजे घर लौटकर उसने पत्नी को बेडरूम के सामने वाले कमरे में सीट की कंडी में गमछे से झूलता पाया था। छोटा बेटा जमीन पर रो रहा था। उगेश कुमार यादव ने खुद थाने में बताया था कि 14 अगस्त को सुबह मोबाइल मांगने को लेकर झगड़ा हुआ था और दोनों के बीच अक्सर विवाद रहता था। उसने शुरू में अज्ञात कारण से आत्महत्या बताई थी।

## जमदेई में किया गया शब्दबीज पुस्तक का वितरण कार्यक्रम

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** बच्चों में शब्द ज्ञान एवं भाषा कौशल विकसित करने की अनूठी पहल, शिक्षक के साथ समुदाय की सहभागिता पर जिला प्रशासन सूरजपुर के तत्वाधान में संचालित महत्वाकांक्षी शैक्षणिक पहल शब्दबीज कार्यक्रम अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला घुमकाटिकरा जमदेई में शब्दबीज पुस्तक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला नोडल गौतम कुमार शर्मा, सहायक जिला नोडल विजय बरगाह, बुधराम, टेसू सुमन, संकुल प्राचार्य जयप्रकाश राजवाड़े, गंगा राम एवं बसंत यादव उपस्थित रहे। साथ ही शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों में शब्द भंडार बढ़ाना, भाषा के प्रति रुचि विकसित करना तथा पढ़ने-लिखने की क्षमता को मजबूत बनाना है। शब्दबीज कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को प्रतिदिन एक नया शब्द सिखाया जाता है। इस गतिविधि के अंतर्गत बच्चे प्रतिदिन एक नए शब्द का अर्थ समझते हैं तथा उसका वाक्यों में प्रयोग करना सीखते हैं। इससे बच्चों की शब्दावली, अभिव्यक्ति क्षमता एवं भाषाई दक्षता में निरंतर वृद्धि होती है। मुख्य अतिथि गौतम कुमार शर्मा एवं सभी सहायक जिला



नोडल अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे नियमित रूप से शब्दबीज गतिविधि को कक्षा में संचालित करें, ताकि प्रत्येक बच्चा नए शब्द सीखकर अपने ज्ञान का विस्तार कर सके। विद्यालय के प्रधानपाठक मो. नौसाद आलम द्वारा शब्दबीज कार्यक्रम को केवल कक्षा तक सीमित न रखते हुए इसे समुदाय से जोड़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि बच्चों की भाषा एवं शब्द ज्ञान संबंधी दक्षता के विकास में शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों और समुदाय की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस पहल के माध्यम से पालकों, शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं समुदाय के लोगों को भी कार्यक्रम से जोड़कर बच्चों को घर और विद्यालय दोनों स्थानों पर प्रतिदिन एक नया शब्द सीखने तथा उसका प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।प्रधानपाठक ने समुदाय से अपील किया कि वे बच्चों के साथ प्रतिदिन कुछ समय निकालकर नए शब्दों पर चर्चा करें, उनके अर्थ समझाएं तथा दैनिक जीवन में उन शब्दों के प्रयोग के लिए प्रेरित करें। इससे विद्यालय में शुरू की गई शैक्षणिक गतिविधि को घर और समाज तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। यह पहल विद्यालय, शिक्षक, पालक और समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर बच्चों के सीखने के वातावरण को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है।कार्यक्रम के अंत में बच्चों को शब्दबीज पुस्तकों का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक सुमन देवांगन व अन्य उपस्थित रहे।

## 90 रुपए प्रति सत्र में वैक्सीन का बोझ, 13 साल की सेवा के बाद भी बदहाल वैक्सीन वितरण कार्यकर्ता

चार-पांच महीने तक भुगतान का इंतजार, न नियुक्ति पत्र और न पहचान की गारंटी

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** प्रदेश में टीकाकरण अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने और स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी बने वैक्सीन वितरण कार्यकर्ता खुद बदहाल व्यवस्था से जूझ रहे हैं। वर्ष 2013 से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत लगातार सेवाएं दे रहे इन कार्यकर्ताओं को आज भी महज 90 रुपए प्रति सत्र मानदेय मिल रहा है। इतना ही नहीं काम पूरा करने के बाद भी भुगतान के लिए चार से पांच महीने तक इंतजार करना पड़ता है। हैरानी की बात यह है कि 13 वर्षों की सेवा के बावजूद उनकी विभागीय पहचान, नियुक्ति पत्र, स्पष्ट सेवा शर्तों और भविष्य की सामाजिक सुरक्षा को लेकर अब तक अनिश्चितता बनी हुई है। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए सरकार करोड़ों रुपए के टीकाकरण अभियान संचालित कर रही है, लेकिन इन अभियानों को जमीनी स्तर पर गति देने वाले वैक्सीन वितरण कार्यकर्ताओं की स्थिति पर संघ द्वारा विधायक भूलन सिंह मरावी, शकुंतला पोर्ते व रामकुमार टोप्पो को ज्ञापन देकर विधानसभा में सवाल उठाने की मांग की है। विधायकों से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से मामले को उठाकर जानकारी मांगे जाने की मांग संघ द्वारा की गई है। इसमें कार्यकर्ताओं की संख्या, नियुक्ति की प्रक्रिया, मानदेय, संशोधित भुगतान दर, भुगतान में देरी और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल हैं। ज्ञात हो कि



वैक्सीन वितरण कार्यकर्ताओं की सबसे बड़ी परेशानी उनका बेहद कम मानदेय है। वर्तमान में उन्हें लगभग 90 रुपए प्रति सत्र की दर से भुगतान किए जाने की जानकारी सामने आई है। संघ का विधायकों से मांग है कि विधानसभा में सवाल उठाया जाए कि यह राशि किस शासनादेश अथवा लागत मानक के आधार पर निर्धारित की गई है। साथ ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संशोधित लागत मानक में इसे बढ़ाकर 125 रुपए प्रति सत्र किए जाने के प्रावधान और छत्तीसगढ़ में उसके क्रियान्वयन की स्थिति भी स्पष्ट की जाए। कम मानदेय के साथ भुगतान में लंबी देरी कार्यकर्ताओं की मुश्किलें और बढ़ा रही है। कई बार अपने काम का पारिश्रमिक पाने के लिए उन्हें चार से पांच महीने तक इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में मामूली राशि पर निर्भर कार्यकर्ताओं के सामने घरेलू खर्च और दूसरी आवश्यकताओं का प्रबंधन चुनौती बन जाता है। विधानसभा में भुगतान लंबित रहने के कारणों और समयबद्ध भुगतान की व्यवस्था बनाने को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा जाए। वर्ष 2013 से स्वास्थ्य विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रम में योगदान देने के बावजूद इन कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र, पहचान पत्र और स्पष्ट सेवा शर्तों की सुविधा उपलब्ध है या नहीं, इस पर भी सवाल उठाया जाए। कार्यकर्ताओं की वास्तविक संख्या, उन्हें काम पर लगाने की प्रक्रिया और उनकी जिम्मेदारियों का निर्धारण किस आधार पर किया गया है, इसकी जानकारी भी मांगी जाए। सवाल यह है कि लंबे समय से सेवाएं लेने के बावजूद सरकार इनके लिए एक स्पष्ट सेवा व्यवस्था क्यों नहीं बना पा रही है। मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू कार्यकर्ताओं के भविष्य की सुरक्षा है। विधानसभा में वैक्सीन वाहक कल्याण निधि योजना लागू करने की संभावनाओं पर भी सरकार का ध्यान आकर्षित कराया जाए। इसके तहत लंबे समय से सेवाएं दे रहे कार्यकर्ताओं के लिए आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था बनाने पर विचार करने का सवाल शामिल है। सरकार से पूछा जाए कि क्या ऐसी कोई योजना प्रस्तावित है और यदि है तो इसे लागू करने की कार्ययोजना क्या है। सवाल सिर्फ 90 से 125 रुपए मानदेय बढ़ाने का नहीं, बल्कि उस कार्यबल को सम्मानजनक पारिश्रमिक, समय पर भुगतान, विभागीय पहचान और सुरक्षित भविष्य देने का है, जो पिछले 13 वर्षों से प्रदेश के टीकाकरण अभियान की अहम जिम्मेदारी निभा रहा है। सरकार का जवाब तय करेगा कि इन कार्यकर्ताओं की समस्याएं केवल सदन में चर्चा तक सीमित रहेंगी या उन्हें राहत देने के लिए कोई ठोस पहल भी होगी।

## निधन
## सीआर सिदार



**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** एसईसीएल बिश्रामपुर के बलरामपुर 10/12 नंबर खदान के मैनेजर सीआर सिदार का उपचार के दौरान रायपुर के रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में मंगलवार रात निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार बिलासपुर सरकंडा के कपिलनगर इलाके में स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे पिछले करीब एक डेढ़ माह से अस्वस्थ चल रहे थे, परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए रामकृष्ण केयर अस्पताल में भर्ती कराया था, इसी दौरान बीती रात उनका निधन हो गया। वे दो माह बाद सेवानिवृत्त होने वाले थे।

## महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आईकॉन राष्ट्रीय अवार्ड से विजयराज सम्मानित

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** क्षेत्र के समाजसेवी विजयराज अग्रवाल को समाज सेवा और मानव कल्याण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आईकॉन राष्ट्रीय अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के तत्वाधान में 14 नवंबर को नई दिल्ली के जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में अंतर्राष्ट्रीय अग्र अलंकरण समारोह 2026 का आयोजन किया गया। इस अंतर्राष्ट्रीय अग्र अलंकरण समारोह में देश-विदेश की विशिष्ट हस्तियों को इस इस अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में संगठन के राष्ट्रीय चेयरमेन प्रदीप मित्तल एवं हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण मित्तल के कर कमलों द्वारा विजयराज अग्रवाल को अग्र श्री गौरव अवार्ड प्रदान किया गया। विजयराज अग्रवाल को राष्ट्रीय स्तर पर मिले यह सम्मान उनके पिछले पैंतीस वर्षों से किए




जा रहे समाज सेवा कार्यों एवं गतिविधियों के लिए प्रदान किया गया है।कार्यक्रम में विजयराज अग्रवाल के सामाजिक सेवा यात्रा का संक्षिप्त विवरण उद्घोषक द्वारा अतिथियों के सामने बताया गया। निर्णायक मंडल ने उनके कार्यों, उपलब्धियों, सामाजिक योगदान और विशिष्ट पहचान का मुल्यांकन करने के बाद उनका चयन किया है। विजयराज अग्रवाल के जीवन और कार्यों से युवा वर्ग प्रेरणा ले सके और समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दे सके, इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए राष्ट्रीय मंच से विजयराज अग्रवाल का सम्मान एक महत्वपूर्ण पहल है। विजयराज अग्रवाल दिव्यांगजनों की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, सामाजिक एवं आर्थिक पुनर्वास के लिए प्रयासरत रहे हैं। इसके अलावा महिलाओं, बच्चों एवं वरिष्ठजनों के सशक्तिकरण एवं पुनर्वास, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, स्वास्थ्य, कला व संस्कृति, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एवं बाल विवाह हटाओ कार्यक्रमों को अपने सामाजिक सेवा कार्यों में जोड़कर समाज व राष्ट्र के विकास में अमुल्य योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम को परम पूज्य गीता मनीषी महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद महाराज का सान्निध्य प्राप्त हुआ। स्वामी ज्ञानानंद जी को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्डस, यूके का प्रमाण पत्र भी दिया गया।

## दूसरी पत्नी द्वारा शराब पीने से मना करने पर पति ने लगाई फांसी

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** ग्राम पंचायत रामनगर अड़रापारा में एक युवक ने पत्नी द्वारा साथ बैठकर शराब पीने से मना करने से क्षुब्ध होकर कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत रामनगर अड़रापारा निवासी 35 वर्षीय नानू सिंह उर्फ चौधारी पिता स्व. हीरासाय गोंड जो कि दूसरी शादी करके अलग रहता था, ने मंगलवार की शाम करीब साढ़े चार दूसरी पत्नी चांदनी को साथ बैठकर शराब पीने की बात कही, जिस पर पत्नी द्वारा इंकार कर दिए जाने से नाराज होकर युवक ने अकेले शराब पीकर घर के कमरे को अंदर से बंदकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पुलिस ने शव पंचनामा पीएम उपरांत मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

# सत्ता से बड़ा संविधान, जल- जंगल और जमीन की लड़ाई में कांग्रेस क्षेत्रवासियों के साथ - सुखदेव

**कांटारोली की जनचौपाल से कांग्रेस ने भरी हुंकार**

**तारा कोल ब्लॉक और हसदेव के मुद्दे पर आदिवासियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने का किया ऐलान**

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी वोट बचाओझदेश बचाओ अभियान के तहत प्रेमनगर विकासखंड के ग्राम कांटारोली में आयोजित विशाल जनचौपाल में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी एवं सांसद सुखदेव भगत के नेतृत्व में आयोजित इस जनचौपाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मंच से हुंकार भरते हुए जल, जंगल, जमीन, आदिवासी अस्मिता और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष तेज करने का संकल्प दोहराया। छत्तीसगढ़ प्रभारी सांसद सुखदेव अपने तीन दिवसीय सरगुजा अंचल प्रवास के दौरान कांटारोली पहुंचे। जनचौपाल को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की लड़ाई में कांग्रेस क्षेत्रवासियों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने भाजपा सरकार पर आदिवासी हितों की अनदेखी करने और पेसा कानून एवं संविधान की पांचवीं अनुसूची की भावना के उल्लंघन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तारा कोल ब्लॉक और हसदेव बचाओ आंदोलन केवल जमीन का मुद्दा नहीं, बल्कि आदिवासियों की संस्कृति, पहचान, आजीविका और अस्मिता से जुड़ा सवाल है। कांग्रेस आदिवासियों की जमीन, जंगल और अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी। सुखदेव भगत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए वोट चोरी और देश की



सार्वजनिक संपत्तियों को निजी हाथों में सौंपने के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सत्ता से बड़ा संविधान है और संविधान से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। कांग्रेस और राहुल गांधी सड़क से लेकर सदन तक आम जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने जनता से कांग्रेस को मजबूत करने और लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा की लड़ाई में सहभागी बनने का आह्वान किया। इसके पूर्व कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया और अतिथियों का अभिनंदन किया। जनचौपाल में कांग्रेस नेताओं ने स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों, आदिवासी हितों और क्षेत्रीय विकास से जुड़े सवालों को प्रमुखता से उठाया। जन चौपाल में पूर्व मंत्री जय सिंह अग्रवाल, अमरजीत भगत, डॉ प्रेमसाय सिंह, पूर्व विधायक विनय जायसवाल, पारसनाथ राजवाड़े, भानुप्रताप सिंह, रायपुर के पूर्व महापौर एजाज ढेबर, बालकृष्ण पाठक, सफी अहमद, दानिश रफीक, विंकी बाबा, सुभाष गोयल, नरेंद्र जैन, सुनील अग्रवाल, आनंद कुंवर, भगवती राजवाड़े, अखिलेश सिंह, हेमलता राजवाड़े, बबिता गुप्ता, लिली राजवाड़े, विमला सिंह, सुखमनिया जगते, आलोक साहू, रोहित कन्नौजे, विद्यासागर सिंह, नवीन जायसवाल, संजीव श्रीवास्तव, अंशुल गोयल, चंदन सिंह, जरीना सुल्ताना, अरबिना बेगम, खुशी, दिव्या तांजे, जगत आयाम, महेंद्र साहू, केबी सिंह, कवल बिहारी सिंह, प्रदीप राजवाड़े, लवकेश गुर्जर, संतोष पावले, लिवनेश सिंह, रामकुमार बंछोर, समीर सिंह, मुन्नी सिंह, सविता सिंह, कुसुमलता राजवाड़े, नरेंद्र यादव, प्रदीप साहू, गिरधारी साहू, नवल सिंह, प्रवेश गोयल, परमेश्वर राजवाड़े, पवन साहू, दिनेश राजवाड़े, बिहारी कुलदीप, संदीप शर्मा, चंद्रदत्त दुबे, चंदा सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, कांग्रेस के जिला, ब्लॉक, मंडल व बूथ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

### भाजपा सरकार पर बैज और सिंहदेव का हमला

जनचौपाल को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भी संबोधित किया। दोनों नेताओं ने वोट बचाओ यात्रा के उद्देश्य और लोकतंत्र में मताधिकार की अहमियत पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए। नेताओं ने एसआईआर, कथित वोट चोरी, महंगाई, भ्रष्टाचार और बस्तर से सरगुजा तक आदिवासी अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा। इस दौरान नेताओं ने वोट बचाओझदेश बचाओ, सूरजपुर बचाओ, प्रेमनगर बचाओ, तारा बचाओ और कांटारोली बचाओ के नारे लगवाकर कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों में जोश भरा।

### तारा चौक पर आतिशी स्वागत, बाइक रैली के साथ पहुंचे नेता

इसके पूर्व तारा चौक पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह एवं जिला प्रभारी गुलाब कमरो, ईस्माइल खान व दानिश रफीक के नेतृत्व में प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, सह प्रभारी जरिता लैतफलांग, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मोहन मरकाम का भव्य एवं आतिशी स्वागत किया गया। इसके बाद बाइक रैली तथा पारंपरिक शैला और शुग्गा नृत्य दलों की अगुवाई में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जनचौपाल स्थल कांटारोली पहुंचे। यहां जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह सहित इस्माइल खान, संजय डोसी, सुनील अग्रवाल, मेहंदी यादव, एवं आदिवासी कांग्रेस के पदाधिकारियों ने अतिथियों का तीर-धनुष भेंटकर पारंपरिक तरीके से स्वागत किया।

# तकनीक से आसान हुई खेती-किसानी, ऑनलाइन टोकन से किसानों को मिली राहत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। धान बेचने के लिए टोकन लेने बार-बार उपार्जन केंद्र के चक्कर लगाना अब किसानों की मजबूरी नहीं रही। मोबाइल से घर बैठे ऑनलाइन टोकन काटने की सुविधा से धान विक्रय आसान हो गया है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में जिले के केंद्रों में यह सुविधा किसानों के लिए राहत बन रही है। ग्राम थोर, केशवपुर, मेंड्राकला निवासी किसान भगतराम राजवाड़े ने डेढ़ एकड़ में धान की खेती की है। उन्होंने स्वयं मोबाइल से ऑनलाइन टोकन काटा। पहले टोकन के लिए केंद्र जाना पड़ता था, अब घर बैठे टोकन मिल रहा



है, इससे समय बच रहा है और भागदौड़ नहीं करनी पड़ती। उन्होंने बताया कि केंद्र में व्यवस्थाएं अच्छी हैं और खरीदी सुचारू है। 3100 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य और अन्य योजनाओं से सहायता मिलने से खेती में सहयोग मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया। ग्राम माझापारा (लोधिमा) निवासी रवि भूषण ने 13 क्विंटल 60 किलोग्राम धान रामपुर उपार्जन केंद्र में विक्रय के लिए लाया है। उन्होंने भी मोबाइल से स्वयं टोकन काटा। पहले बार-बार केंद्र आने पर भी निर्धारित तिथि मिलना मुश्किल होता था। अब घर बैठे टोकन से यह समस्या समाप्त हो गई है। उन्होंने 3100 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य मिलने पर संतोष जताया और मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। केशवपुर-मेंड्राकला केंद्र से 6 पंचायतों के 452 पंजीकृत किसानों को सुविधा मिल रही है। इनमें हर्राटिकरा, केशवपुर, थोर, माझापारा, सुंदरपुर और सांडबार शामिल हैं। किसानों को नजदीकी केंद्र में विक्रय की सुविधा के साथ 'तुंहर टोकन' ऐप से घर बैठे टोकन का विकल्प भी मिल रहा है। जिले के 7 नए सहित कुल 61 केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी हो रही है। किसानों को 'तुंहर टोकन' ऐप से घर बैठे टोकन की सुविधा दी जा रही है। केंद्रों में पेयजल, छायादार प्रतीक्षालय, बारदाना और धान की सफाई सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। डिजिटल तकनीक से खरीदी अधिक सुविधाजनक और पारदर्शी बन रही है।

# एसडीएम ने पतरापाली उप स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण, कालातीत सिरिंज मिलने पर लगाई फटकार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। एसडीएम सुनील अग्रवाल ने पतरापाली उप स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में कालातीत सिरिंज पाए गए, वहीं पदस्थ चिकित्सक अनुपस्थित मिले। एसडीएम ने उपस्थित नर्स को फटकार लगाते हुए कालातीत सिरिंज को तत्काल अस्पताल से हटाने का निर्देश दिया। इसके बाद एसडीएम ने पतरापाली धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि धान विक्रय के लिए सोसायटी पहुंचने वाले किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो। इसके बाद वे



परशुरामपुर धान खरीदी केंद्र पहुंचे, जहां धान खरीदी अभी शुरू नहीं हुई है। वहां उन्होंने धान की आवक से पहले सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

### अस्पतालों की हालत गंभीर

रामानुजनगर विकासखंड के विभिन्न गांवों में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा उप स्वास्थ्य केंद्रों की हालत बदतर है। शासन से सभी सुविधाएं दी जा रही हैं, लेकिन बीएमओ द्वारा प्रशासनिक कसावट नहीं होने से कर्मचारियों की लापरवाही के कारण अस्पतालों की स्थिति बेहद खराब है। सीएमएचओ हों या बीएमओ, दोनों ही इतने कमजोर प्रशासक हैं कि विभाग के कर्मचारियों पर इनकी कोई पकड़ नहीं है, बल्कि कर्मचारी ही अधिकारियों पर हावी नजर आते हैं। अधिकारी भी कभी नहीं चाहते कि ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था दुरुस्त रहे। यही वजह है कि यहां के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों व उप स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति बदहाल है।

# राजनीतिक विपत्तियों की तलाश!

मनोज कुमार सिंह

बादल वर्षा कर पृथ्वी की प्यास बुझाते हैं, लेकिन स्वयं वाष्प के लिए प्यासे रहते हैं, यह सत्य है। लेकिन क्या जो दानी है, वह याचक हो सकता है? यह एक रहस्यमयी वाक्य है, जिसके इर्द-गिर्द ही पूरी राजनीति का जन्म, वर्धन और घूर्णन होता है। शांति, क्षमा, भेद, फूट, सुलह और पुरस्कार राजनीति के षष्टांग होते हैं। शत्रु का शत्रु स्वाभाविक मित्र होता है, यह एक चिर स्थापित सत्य है। आज भारत में कुछ इसी तरह की कुटिल व घृणास्पद राजनीति के नये चेहरे का अभ्युदय हो रहा है। लेकिन, जो हो रहा है वह पूर्व निश्चित भी था। निश्चित इसलिए कि भारतीय राज्यों के पुनर्गठन के लिए अपनाई गई भाषायी पद्धति वर्तमान भारत की राजनीति में परस्पर वैमनस्य की छद्म जनक सिद्ध हो रही है। इस संबंध में एक बात सांकेतिक रूप से अवश्य लिपिबद्ध करना आवश्यक है कि, जब शास्त्री जी के समय हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाने का प्रयास किया गया तब डीएमके के संस्थापक सी. एन. अन्नादुरै ने इसका विरोध करते हुए कहा था, ₹यदि कौवों की संख्या बढ़ जाये तब क्या कौवों को मोरों की जगह राष्ट्रीय पक्षी बना दिया जाए।₹ इसके कुछ वर्षों बाद बाला साहेब ठाकरे के नेतृत्व में मुंबई में भाषा आधारित मराठी मानुष के नाम पर दक्षिण भारतीयों का विरोध आरंभ हुआ। जिसका दूसरा चरण 90 के उत्तरार्ध में मुंबई में उत्तर भारतीयों (उत्तर प्रदेश व बिहारियों) के विरोध में हुआ और अब तीसरे चरण में छठ पूजा का विरोध हो रहा है। जिसका एक मात्र उद्देश्य सत्ता निर्वासन से सत्ता पुनर्वास और सत्ता में पुनर्वापसी है। राजनीति में सत्ता प्राप्ति और उसे प्राप्त करने के संसाधन सबसे पहले होते हैं, पश्चात शेष सब कुछ। अब इस राजनीतिक कोढ़ की खुजली छत्तीसगढ़ में भी राजनीतिक कारणों से छत्तीसगढ़िया और गैर छत्तीसगढ़िया भेद का सामाजिक संक्रमण पैदा होने की ओर इंगित कर रही है। शत्रु का शत्रु परस्पर मित्र होता है, इसका सबसे विचलित और हतप्रभ करने वाला दृश्य हैदराबाद के भारत समिट में देखने को मिला, जब इटली का समाजवादी और प्रगतिशील (प्रगतिशील विचार वामपंथ का मुखौटा है) राजनीतिज्ञ जियाकोमो फिलिबेक भारत आकर कहता है, ₹वोट चोर गद्दी छोड़₹। इससे अधिक कुछ और घातक नहीं हो सकता। यह भारत की राजनीति में आमंत्रित विदेशी हस्तक्षेप बर्दाश्त से परे है। जो यह बताता है कि आज पदलिप्सा से व्यथित कुछ नेता ही भारत के लिए सर्वाधिक खतरनाक और वीभत्स होते जा रहे हैं। यह सत्ता प्राप्ति के लिए भारत की संप्रभुता को संकट में डाल देने का प्रति-लक्षण है। एक समय वह था जब विपक्ष के नेता के रूप में स्व. अटल बिहारी वाजपेयी 1994 में मानवाधिकार पर भारत का पक्ष रखने जिनेवा गये थे। वहीं दूसरी ओर आज भारत में विपक्ष इटालियन वामपंथी नेता जियाकोमो फिलिबेक को भारत आमंत्रित कर वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा भी लगवाता है। नेता प्रतिपक्ष का यह कृत्य उनके प्रति सम्मान तो कदापि नहीं अपितु भविष्य में भारत के लिए ₹बंदर से आशनाई, घर में आग लगाई₹ की शंका और संभावना दोनों को एक साथ जन्म देता है। हम अपने घरेलू विवाद में किसी बाहरी का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करते, यहां तो मामला देश का है। लगता है जैसे इतिहास अपने को दोहरा रहा है, जैसे अपनी व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण तक्षशिला के शासक आंभि ने पोरस पर आक्रमण करने के लिए सिकंदर को आमंत्रित किया था। लेकिन सबसे पहले आंभि को ही सिकंदर की अधीनता स्वीकार करनी पड़ी थी। बदलते राजनीतिक क्रम में अब राजनीतिक दल और सरकारें वोट प्रतिशत के आधार पर संबंधित जातीय संगठनों का एकीकरण कर रही हैं।

जिसके तहत विभिन्न वर्गों के लिए उनकी सामूहिक जातीय अनुभूतियों का राजनीतिकरण करने का प्रयास कर रही हैं। जिसके अंतर्गत जातीय शिखर पुरुषों की प्रतिमाओं का अनावरण और योजनाओं का संचालन कर रही हैं। लेकिन अभी तक तो यही होता रहा है कि, जिनके लिए भी योजनाएं संचालित हुई हैं, उनके लिए परिणाम ₹दूल्हे को पत्तल नहीं और बारातियों को थाली₹ जैसी ही रही है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि सांप्रदायिकता से कहीं अधिक घातक राजनीति में जात्यांधता सिद्ध होगी।

# सड़क हादसे में दिवंगत आरक्षक के परिवार को मिली 1 करोड़ की सहायता राशि

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

**पुलिस अधीक्षक व एसबीआई के शाखा प्रबंधक ने दिवंगत आरक्षक की पत्नी को सौंपा चेक**

सूरजपुर। सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए जिले के आरक्षक अभय पाण्डेय की पत्नी को पुलिस सैलरी पैकेज योजना के तहत एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल व भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक बृजेश गुप्ता ने आरक्षक की धर्मपत्नी पूनम पाण्डेय को यह राशि चेक के माध्यम से सौंपी। आरक्षक अभय पाण्डेय जिले में आरक्षक के पद पर थाना विश्रामपुर में पदस्थ थे। उनका निधन 2 फरवरी को एक सड़क दुर्घटना में हो गया था। इस घटना पर पुलिस विभाग ने गहरा शोक व्यक्त किया था। पुलिस

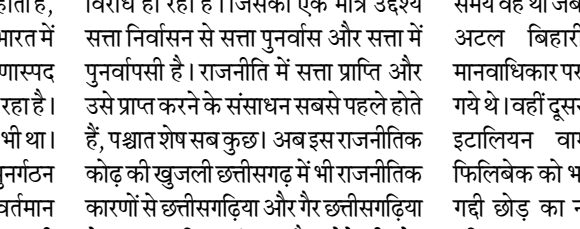


अधीक्षक ने शाखा प्रबंधक की मौजूदगी में 17 नवम्बर को आरक्षक की पत्नी पूनम पाण्डेय व पुत्र को सांत्वना देते हुए भारतीय स्टेट बैंक शाखा से एक करोड़ रुपये का चेक प्रदान किया। यह सहायता पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत दी गई है। दिवंगत आरक्षक की पत्नी ने आर्थिक सहायता प्राप्त होने पर छत्तीसगढ़ शासन, गृह पुलिस विभाग और बैंक प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। विदित हो कि आरक्षक की आकस्मिक मृत्यु उपरान्त उनके पुत्र निर्भय पाण्डेय को जिला एमसीबी में आरक्षक (अ) के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति दी गई है जो वर्तमान में जिले में अचैट रहकर कार्यरत है। पुलिस सैलरी पैकेज योजना का मुख्य उद्देश्य ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी, कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके आश्रित परिवार को आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करना है, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके।

# महाविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि, ईएलसी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने लहराया परचम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। महाविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। चुनावी साक्षरता क्लब (ईएलसी) के अंतर्गत आयोजित विकासखंड स्तरीय प्रश्नोत्तरी एवं निबंध प्रतियोगिता 2026 में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्था का नाम रोशन किया है।प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा मायावती ने तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया। कठिन सवालों के बीच भी उन्होंने अपनी सटीक समझ, आत्मविश्वास और चुनावी साक्षरता से जुड़े गहन ज्ञान का परिचय दिया। वहीं, निबंध प्रतियोगिता में छात्रा मायावती व छात्र अमन कुमार साहू को उत्कृष्ट



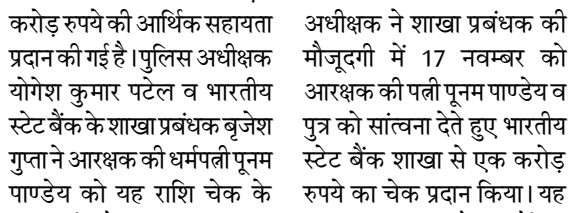
प्रदर्शन हेतु प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुआ। दोनों विद्यार्थियों ने अपने निबंधों में लोकतंत्र, मतदान के महत्व, मतदाता जागरूकता और युवा मतदाताओं की भूमिका जैसे विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, लगन एवं शैक्षणिक रुचि का परिणाम है। इसके पीछे शिक्षकों का मार्गदर्शन और महाविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण भी अहम रहा है। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में चुनावी साक्षरता, संविधान के प्रति समझ और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। महाविद्यालय परिवार ने दोनों विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य एवं प्राध्यापकों ने कहा कि इस तरह की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का कार्य करेंगी और आने वाले समय में महाविद्यालय के विद्यार्थी और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगे।

# नशीली इंजेक्शन के विक्रेता व सप्लायर सहित 4 गिरफ्तार

## 82 हजार का इंजेक्शन जप्त, कोतवाली पुलिस की कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कोतवाली पुलिस ने दो अलग अलग मामलों में नशे के कारोबार में संलिप्त चार आरोपी जिनमे दो सप्लायर भी शामिल है को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से करीब 82 हजार रुपये की दवाएं जप्त की गई है जिनका उपयोग नशे के रूप में किया जाता है और उक्त दवाओं को बिक्री के लिए लाया गया था। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के द्वारा नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करते हुए उन्हें उनके अंजाम तक पहुंचाने के निर्देश दिये गए हैं। जिस पर जिले की पुलिस सक्रियता से काम करते हुए नशे के खिलाफ अभियान चलाकर नशे के कारोबारियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी तारतम्य में बीते मंगलवार को कोतवाली पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि शहर के भैयाथान रोड़ का संतोष साहू उर्फ मोनू अपने घर में अवैध रूप से नशीली इंजेक्शन रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां संतोष साहू उर्फ मोनू पिता राजकुमार साहू 24 वर्ष मिला जिसकी उपस्थिति में विधिवत मकान की तलाशी लेने पर एविल इंजेक्शन 33 नग व आईपीपीएल इंजेक्शन 100 नग बरामद हुआ जिसकी बाजारू कीमत करीब 67 हजार रुपए बताई गई है। मामले में नशीली इंजेक्शन जप्त कर धारा 22(सी), 29(1) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर

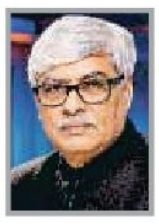


आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। दूसरे मामले में मंगलवार को थाना सूरजपुर पुलिस को ही मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ है कि चन्दरपुर निवासी नंदकेश्वर साहू अपने घर में अवैध रूप से नशीली इंजेक्शन रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और नंदकेश्वर साहू की मौजूदगी में विधिवत्मकान की तलाशी लेने पर एविल इंजेक्शन 15 नग, आईपीपीएल इंजेक्शन 6 नग एवं रेक्सोजेसिक इंजेक्शन 8 नग कुल 29 नग इंजेक्शन बरामद हुआ जिसकी कीमत बाजारू कीमत करीब 15 हजार रुपए है। पूछताछ पर उसने बताया कि उक्त नशीली इंजेक्शन को रहमान निवासी देवनगर एवं ममसाद अली उर्फ गुड्डा निवासी रामानुजनगर के पास से खरीदकर लाना बताया। जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर उक्त दोनों को पकड़ा। मामले में नशीली इंजेक्शन जप्त कर धारा 21(सी), 29(1) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी नंदकेश्वर साहू चन्द्रपुर देवल्लापारा सूरजपुर, ममसाद अली उर्फ गुड्डा पिता रहमत अली 44 वर्ष त्रिपुरेश्वरपुर डगमला थाना रामानुजनगर और रहमान उर्फ अब्दुल रहमान पिता स्व. मोहम्मद रमजान 47 वर्ष निवासी देवनगर नवापारा को गिरफ्तार किया गया है। दोनों कार्रवाई में कोतवाली प्रभारी प्रहलाद यादव, पीएसआई नागेश कुमार, पप्पू यादव,प्रधान आरक्षक बृजकिशोर धुर्वा, आरक्षक राजू एक्का, चंदकुमार साहू, रविराज पाण्डेय, रूचि रजक, परमेश्वर राजवाड़े, रामेश्वर जगनायक महिला आरक्षक पिंकी सोनवानी सक्रिय रहे।

चिंतन

# घर के भेदियों पर रखनी होगी नजर

देश की सुरक्षा के लिए सीमा पर दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर रखना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी अपने सुरक्षा तंत्र के भीतर मौजूद कमजोर कड़ियों को पहचानना भी है। युद्ध और जासूसी का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब दुश्मन केवल सीमाओं पर घुसपैठ या सैन्य टकराव के जरिये चुनौती नहीं दे रहा, बल्कि वह हमारे ही लोगों को लालच, प्रलोभन और ब्लैकमेल के जाल में फंसाकर देश की संवेदनशील सूचनाएं हासिल करने की कोशिश कर रहा है। एयरफोर्स चीफ आशुतोष दीक्षित की चेतावनी इसी गंभीर चुनौती की ओर ध्यान खींचती है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि विदेशी जासूसी नेटवर्क अब हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं। साइबर हमलों और दूसरे तरीकों से भी रक्षा क्षेत्र की गोपनीय जानकारियां जुटाई जा रही हैं। चिंता की बात यह है कि जासूसी के इस खेल में दुश्मन सोशल मीडिया पर दोस्ती और प्रेम संबंधों का सहारा लेने के साथ आर्थिक मजबूरियों को भी हथियार बना रहा है। मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाकर लोगों से गोपनीय सूचनाएं हासिल करने की कोशिशें हो रही हैं। इस साल हनी ट्रैप के चार मामले सामने आना बताता है कि खतरा केवल आशंका नहीं, बल्कि वास्तविक चुनौती बन चुका है। इन मामलों में नौसेना के दो जवान, वायुसेना का एक विंग कमांडर और एक पूर्व सैनिक शामिल होना इस बात का संकेत है कि कोई भी व्यक्ति इस तरह के जाल का निशाना बन सकता है। सुरक्षा तंत्र में शामिल किसी व्यक्ति की एक छोटी-सी चूक भी दुश्मन के लिए बड़ी कामयाबी बन सकती है। सैन्य ठिकानों की स्थिति, हथियारों की क्षमता, तैनाती, अभियानों की योजना और रक्षा अनुसंधान से जुड़ी जानकारी दुश्मन के हाथ लगना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर परिणाम पैदा कर सकता है। इसलिए यह मानकर नहीं चला जा सकता कि वर्दी पहनने वाला या किसी रक्षा प्रतिष्ठान में काम करने वाला प्रत्येक व्यक्ति हर परिस्थिति में ऐसे खतरों से सुरक्षित है। सतर्कता और जवाबदेही दोनों जरूरी हैं। जासूसी का दूसरा बड़ा मोर्चा साइबर दुनिया है। रक्षा क्षेत्र में सरकारी संस्थानों के साथ निजी कंपनियों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं की भूमिका भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में उनके कंप्यूटर नेटवर्क, सॉफ्टवेयर और डिजिटल संचार व्यवस्था को सुरक्षित रखना अनिवार्य है। किसी निजी कंपनी के नेटवर्क में सेंध लगाकर हासिल की गई जानकारी भी देश की सामरिक क्षमताओं को नुकसान पहुंचा सकती है। एयरफोर्स चीफ ने निजी रक्षा कंपनियों को सुरक्षित नेटवर्क और सही सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की सलाह देने के लिए एजेंसी की भूमिका का उल्लेख किया है। लेकिन केवल सलाह जारी करना पर्याप्त नहीं होगा। उसका पालन सुनिश्चित करना और नियमित सुरक्षा ऑडिट करना भी जरूरी है। इसके साथ ही रक्षा प्रतिष्ठानों में काम करने वाले कर्मचारियों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल, अनजान लोगों से संपर्क, संदिग्ध प्रस्तावों और आर्थिक प्रलोभनों के प्रति जागरूक करना होगा। राष्ट्रीय सुरक्षा केवल हथियारों, मिसाइलों और आधुनिक लड़ाकू विमानों से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि उन सूचनाओं की गोपनीयता से भी जुड़ी होती है, जिनके आधार पर रक्षा रणनीति तैयार होती है। ऐसे में सवाल है कि जब दुश्मन हमारे ही लोगों को मोहरा बनाकर सुरक्षा तंत्र में सेंध लगाने की कोशिश कर रहा है, तो क्या हमारी निगरानी और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था उसकी चालों से दो कदम आगे है? आखिर घर के भेदियों पर नजर रखे बिना देश की सुरक्षा का भरोसा कैसे कायम रह सकता है?



पड़ोस

ओमकार चौधरी

1971 में बांग्लादेश को स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के लिए भारत ने सैनिकों का बलिदान दिया, करीब एक करोड़ शरणार्थियों का बोझ उठाया व अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना किया था। लेकिन आज उसी बांग्लादेश के साथ रिश्ते अविश्वास और तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। शेख हसीना की सत्ता से विदाई, उनका भारत में रहना, प्रत्यर्पण की मांग और बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतों का बढ़ता प्रभाव द्विपक्षीय संबंधों को नई चुनौती दे रहे हैं। तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद भी तल्खी कम नहीं हुई है। ऐसे में सवाल है कि क्या बांग्लादेश अपनी घरेलू राजनीति में भारत विरोध को हथियार बनाने से बाज आएगा? क्या दोनों देश ऐतिहासिक रिश्तों और साझा हितों को प्राथमिकता देकर अविश्वास की खाई पाट पाएंगे?

# भारत-बांग्लादेश संबंध और शेख हसीना

जिस बांग्लादेश के जन्म के लिए 1971 में भारत ने अपने सैनिकों का बलिदान दिया, लगभग एक करोड़ शरणार्थियों का बोझ उठाया और अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना किया, उसी बांग्लादेश के साथ आज भारत के संबंध असहज हैं। इतिहास, भूगोल, भाषा, संस्कृति और आर्थिक हितों से जुड़े दोनों देशों के बीच अविश्वास की दीवार लगातार ऊंची होती दिखाई देती है। विशेष रूप से 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना की सरकार गिरने और उनके भारत आने के बाद संबंधों में जो तनाव पैदा हुआ, वह फरवरी 2026 में तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बावजूद समाप्त नहीं हो सका। अब शेख हसीना की संभावित स्वदेश वापसी ने इस विवाद को नया मोड़ दे दिया है। सवाल केवल एक पूर्व प्रधानमंत्री के प्रत्यर्पण का नहीं, बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में भारत की भूमिका, कट्टरपंथी शक्तियों के प्रभाव और दक्षिण एशिया के बदलते सामरिक समीकरणों का भी है। 1947 में पाकिस्तान बनने के साथ ही पूर्वी व पश्चिमी पाकिस्तान के बीच भाषायी, सांस्कृतिक, राजनीतिक तथा आर्थिक असमानताएं सामने आने लगी थीं। पूर्वी पाकिस्तान की बंगाली आबादी को सत्ता में उचित भागीदारी नहीं मिली। 1970 के आम चुनाव में शेख मुजीबुर्रहमान की अवामी लीग को बहुमत मिलने के बावजूद सत्ता हस्तांतरण रोक दिया गया। 25 मार्च 1971 को पाकिस्तानी सेना ने पूर्वी पाकिस्तान में व्यापक दमन अभियान शुरू किया। लाखों लोग हिंसा से बचने के लिए भारत पहुंचे। दिसंबर 1971 तक लगभग 99 लाख शरणार्थी भारत आ चुके थे। भारत ने मुक्ति वाहिनी को सहयोग दिया और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश के पक्ष में अंतरराष्ट्रीय जनमत तैयार करने का प्रयास किया। 13 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान के हवाई हमलों के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध शुरू हुआ। 16 दिसंबर को ढाका में पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया और बांग्लादेश स्वतंत्र राष्ट्र बना। इस ऐतिहासिक योगदान को नकारना संभव नहीं। लेकिन विडंबना है कि स्वतंत्रता के बाद भी बांग्लादेश की राजनीति का एक प्रभावशाली हिस्सा भारत के प्रति संदेह और विरोध की राजनीति करता रहा। बांग्लादेश के भीतर भारत विरोधी राजनीति की जड़ें केवल हाल के घटनाक्रमों में नहीं हैं। 1971 में पाकिस्तान का समर्थन करने वाली जमात-ए-इस्लामी जैसी शक्तियां स्वतंत्रता के बाद भी राजनीतिक रूप से सक्रिय रहीं। शेख मुजीबुर्रहमान की 15 अगस्त 1975 को हत्या के बाद बांग्लादेश की सत्ता और वैचारिक दिशा में बड़े परिवर्तन हुए। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच पूर्व में राजनीतिक गठबंधन भी रहे हैं। भारत के साथ जल बंटवारे, सीमा प्रबंधन और व्यापार से जुड़े वास्तविक विवादों को भी समय-समय पर भारत विरोधी राजनीतिक अभियान का आधार बनाया गया। अवामी लीग के शासनकाल में भारत के साथ सहयोग अपेक्षाकृत मजबूत रहा। विशेषकर 2009 के बाद शेख हसीना ने भारत की सुरक्षा चिंताओं को महत्व दिया। पूर्वोत्तर भारत से जुड़े उग्रवादी नेटवर्कों के विरुद्ध सहयोग, सीमा प्रबंधन, संपर्क परियोजनाओं और बिजली व्यापार में प्रगति हुई। लेकिन शेख हसीना के शासन में विपक्ष के दमन, लोकतांत्रिक संस्थाओं की



स्वतंत्रता और चुनावी निष्पक्षता पर गंभीर सवाल भी उठे। विरोधियों ने भारत पर हसीना सरकार को अत्यधिक राजनीतिक समर्थन देने का आरोप लगाया। इससे बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में भारत विरोधी धारणाओं को और जगह मिली। जुलाई 2024 में सरकारी नौकरियों के आरक्षण के विरुद्ध शुरू हुआ छात्र आंदोलन व्यापक सरकार विरोधी विद्रोह में बदल गया। प्रदर्शनकारियों पर हिंसक कार्रवाई के आरोपों और राजनीतिक संकट के बीच 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना ने सत्ता छोड़ी तथा भारत आ गईं। इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी। इस अवधि में भारत-बांग्लादेश संबंध तेजी से बिगड़े। बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों पर हमलों, अवामी लीग से जुड़े व्यक्तियों के विरुद्ध हिंसा और भारतीय हितों को लेकर आक्रामक बयानों ने नई दिल्ली की चिंताएं बढ़ाईं। दूसरी ओर, ढाका की मुख्य मांग थी कि भारत शेख हसीना को वापस भेजे, ताकि उनके विरुद्ध मुकदमा चलाया जा सके। नवंबर 2025 में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने 2024 के दमन से संबंधित मानवता के विरुद्ध अपराधों के मामले में हसीना को उनकी अनुपस्थिति में मृत्युदंड सुनाया। इसके बाद प्रत्यर्पण का विवाद और गंभीर हो गया। भारत सरकार ने संसद की विदेश मामलों की समिति को बताया कि प्रत्यर्पण अनुरोध पर सक्षम अधिकारी कानून के अनुसार विचार कर रहे हैं। 12 फरवरी 2026 के संसदीय चुनाव में बीएनपी ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया और 17 फरवरी को तारिक रहमान प्रधानमंत्री बने। जमात-ए-इस्लामी 68 सीटें जीतकर प्रमुख विपक्षी शक्ति के रूप में उभरी। यह बांग्लादेश की राजनीति में महत्वपूर्ण परिवर्तन था, क्योंकि 1971 में पाकिस्तान का समर्थन करने वाला संगठन अब संसदीय विपक्ष का नेतृत्व कर रहा है। बांग्लादेश की बदलती विदेश नीति भारत के लिए एक अलग सामरिक चुनौती है। जून 2026 में तारिक रहमान की चीन यात्रा के दौरान बुनियादी ढांचे और बंदरगाह परियोजनाओं पर विशेष जोर दिया गया। चीन पहले से बांग्लादेश को महत्वपूर्ण सैन्य उपकरण उपलब्ध कराता रहा है। पाकिस्तान के साथ भी संपर्क बढ़ा है। जनवरी 2026 में ढाका और कराची के बीच लगभग 14 वर्षों बाद सीधी विमान सेवा बहाल हुई। सितंबर में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात हुई। भारत के दृष्टिकोण से चिंता केवल बांग्लादेश के चीन या पाकिस्तान से संबंध रखने की नहीं है। इस बीच राजनयिक संवाद पूरी तरह बंद नहीं हुआ। अप्रैल में बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने भारतीय विदेश मंत्री से मुलाकात की। भारत ने दिनेश त्रिवेदी को ढाका में उच्चायुक्त नियुक्त किया। व्यापार संबंधी बातचीत भी दोबारा शुरू हुई। इसके बावजूद 16 नवंबर 2026 तक दोनों प्रधानमंत्रियों की प्रस्तावित द्विपक्षीय मुलाकात नहीं हो सकी है। स्पष्ट है कि संवाद की बहाली और राजनीतिक विश्वास की बहाली अभी दो अलग-अलग प्रक्रियाएं बनी हुई हैं। लेकिन प्रश्न बांग्लादेश की सरकार से भी है। क्या वह अपनी विदेश नीति को घरेलू भारत विरोधी राजनीति से अलग रख पाएगी? क्या अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी? क्या कट्टरपंथी शक्तियों को भारत के विरुद्ध राजनीतिक लामबंदी का अवसर मिलता रहेगा? शेख हसीना की वापसी दोनों देशों के लिए एक परीक्षा अवश्य है, लेकिन उससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि क्या बांग्लादेश की नई राजनीतिक व्यवस्था भारत के साथ अविश्वास और टकराव की राजनीति से बाहर निकलने को तैयार है?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दिवस विशेष

महेन्द्र तिवारी



# युवा चेतना से ही उज्ज्वल बनेगा भविष्य

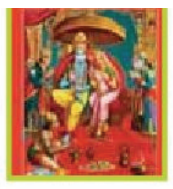
विद्यार्थी किसी भी समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। उनके भीतर भविष्य के सपने होते हैं, वर्तमान को समझने की जिज्ञासा होती है और व्यवस्था को बेहतर बनाने का साहस भी होता है। विद्यार्थी केवल पुस्तकों में लिखे पाठों को याद करने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह अपने समय, समाज और परिस्थितियों को समझने वाला जागरूक नागरिक भी होता है। उसकी सोच में नए विचारों के बीज होते हैं और उसके संकल्प में आने वाले कल की संभावनाएं छिपी होती हैं। इसी महत्त्व को रेखांकित करने के लिए प्रत्येक वर्ष 17 नवंबर को अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस मनाया जाता है। यह दिवस विद्यार्थियों के संघर्ष, साहस, अधिकारों, स्वतंत्रता और शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस का इतिहास अत्यंत मार्मिक और प्रेरणादायक है। इसकी पृष्ठभूमि द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान यूरोप में घटित उन घटनाओं से जुड़ी है, जब जर्मनी के नाजी शासन ने चेकोस्लोवाकिया पर अधिकार कर लिया था। वर्ष 1939 में वहां के विद्यार्थी विदेशी शासन के विरोध में आवाज उठा रहे थे। 28 अक्टूबर को चेकोस्लोवाकिया की स्वतंत्रता की वर्षगांठ के अवसर पर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान युवा श्रमिक वाक्लाव सेद्लाचेक़ और चिकित्सा के विद्यार्थी जान ओप्लेताल घायल हुए। बाद में जान ओप्लेताल की मृत्यु हो गई। 15 नवंबर को उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। यह शोक यात्रा धीरे-धीरे नाजी शासन के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन में बदल गई। विद्यार्थियों के इस साहस से भयभीत होकर नाजी शासन ने 17 नवंबर 1939 को कठोर दमनात्मक कार्रवाई की। प्राग और अन्य स्थानों के विद्यार्थी छात्रावासों तथा शिक्षण संस्थानों से गिरफ्तार किए गए। नौ विद्यार्थी नेताओं और शिक्षकों को बिना मुकदमे के मृत्युदंड दे दिया गया। एक हजार से अधिक विद्यार्थियों को यातना शिविरों में भेज दिया गया और चेक विश्वविद्यालयों को बंद कर दिया गया। यह घटना केवल विद्यार्थियों पर किया गया अत्याचार नहीं थी, बल्कि विचारों की स्वतंत्रता, शिक्षा के अधिकार और मानवीय गरिमा पर किया गया आघात भी थी। इन बलिदानों की स्मृति में 1941 में लंदन में 17 नवंबर को अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई। तब से यह दिन दुनिया भर में विद्यार्थी एकता और स्वतंत्रता के संघर्ष का प्रतीक बन गया। हालांकि आज का विद्यार्थी अनेक चुनौतियों से भी जूझ रहा है। शिक्षा का बढ़ता खर्च, महंगी पुस्तकें, निजी शिक्षण संस्थानों की भारी फीस, प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव और रोजगार की अनिश्चितता उसके सामने गंभीर समस्याएं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी अनेक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पुस्तकालय, प्रयोगशाला और इंटरनेट जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना अब भी आसान नहीं है। कई प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल आर्थिक अभाव के कारण अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ने को विवश हो जाते हैं। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील समाज के लिए चिंता का विषय होनी चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। शिक्षा व्यक्ति को विवेकशील, संवेदनशील, आत्मनिर्भर और जिम्मेदार बनाती है। वह सही और गलत के बीच अंतर करना सिखाती है। एक शिक्षित विद्यार्थी अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को भी समझता है। वह समाज में फैली कुरीतियों, अंधविश्वास, भेदभाव, जातिगत संकीर्णता और लैंगिक असमानता के विरुद्ध तार्किक दृष्टिकोण विकसित कर सकता है। इसलिए शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों तक सीमित कर देना उसके व्यापक उद्देश्य को कमजोर करना है। अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस हमें यह संदेश देता है कि विद्यार्थी केवल अपने परिवार का भविष्य नहीं, बल्कि राष्ट्र और मानवता की आशा भी हैं। उनकी आवाज में समाज को बदलने की शक्ति है और उनके विचारों में नई सभ्यता के निर्माण की संभावना है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम विद्यार्थियों को केवल भविष्य का नागरिक न मानें, बल्कि वर्तमान का सक्रिय और जिम्मेदार भागीदार भी समझें। उनकी समस्याओं को सुनें, उनकी प्रतिभा को अवसर दें और उनके प्रश्नों का सम्मान करें। किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति उसके भवनों, सड़कों और आर्थिक आंकड़ों से ही नहीं, बल्कि उसकी युवा पीढ़ी की शिक्षा, सोच और चरित्र से भी मापी जाती है। 17 नवंबर का यह दिवस हमें याद दिलाता है कि शिक्षा का दीपक कभी बुझना नहीं चाहिए और स्वतंत्र विचारों की आवाज कभी दबनी नहीं चाहिए। क्योंकि आज का जागरूक विद्यार्थी ही कल के सशक्त, समतामूलक और प्रगतिशील समाज का निर्माता है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

# संकर सहज स्वरूप सम्हारा



श्रीरामचरितमानस में भगवान शंकर भक्ति के दाता भी माने गए हैं और भक्ति के भिक्षुक भी। शिव भक्ति देते भी हैं और मांगते भी हैं। भगवान शंकर में नवभक्ति का दर्शन होता है। उनमें अष्टांग योग का, ज्ञान की सातों भूमिकाओं का और धर्म के दसों लक्षणों का दर्शन भी होता है। लंका कांड में गोस्वामी जी ने जो धर्मरथ का वर्णन किया है। उसमें जितने धर्म के



संकलित

दर्शन

सूत्र बताए हैं, वे सभी महादेव में प्रस्थापित होते हैं। शिव भक्ति स्वरूप हैं। शिव का बाहरी रूप तो 'कुंडल कंकन पहिरे ब्याला' वाला है, लेकिन आंतरिक स्वरूप भजन है, भक्ति है। मानस में है- 'संकर सहज स्वरूप सम्हारा'। सहज स्वरूप का अनुसंधान शिव ने किया। उनकी जो सहज प्रवृत्ति है, वह भजन है। भगवान भी कहते हैं कि 'संकर भजन बिना नर भगति न पावइ मोरि'। शंकर की भक्ति जो करेगा, वही मेरी भक्ति पाएगा अथवा शंकर का जो सहज भजन स्वरूप है, उसे आत्मसात करेगा, वह मेरी भक्ति पाएगा। शबरी के सामने गाई गई नौ प्रकार की भक्ति में गोस्वामी जी ने पहली भक्ति संत का संग बताई है- 'प्रथम भगति संतन्ह कर संगा'। आप महेश का चरित्र देखिए। जैसे ही अवसर मिला, वे साधु-संतों का संग करते दिखाई देते हैं। पार्वती के विरह में संतों का संग करते थे। महादेव सत्संग के प्यासे हैं। दूसरी भक्ति है कथा श्रवण। कथा में जहां जगह मिले, वहां बैठकर कथा के प्रसंगों का रस उठाना। शिव कहते हैं, पार्वती, मैं काकभुशुंडि जी के आश्रम में हंस बनकर पीछे बैठ गया था। कथा श्रवण में इतनी रुचि, यह दूसरी भक्ति शिव में है।

# मृत्यु अटल है, जो ये समझते हैं, वे प्रसन्न रहेंगे



एक प्रवचन के बाद एक व्यक्ति तुकाराम के पास आया और बोला कि आप इतने आनंद में और शांत कैसे रहते हैं? तुकाराम जी ने उस व्यक्ति की बातें ध्यान से सुनीं और अचानक बोले कि भाई सात दिनों के बाद तुम्हारी मृत्यु होने वाली है। ये बात सुनते ही तरंत ही उस व्यक्ति की हालत खराब हो गई। क्योंकि वह मानता था कि



संकलित

प्रेरणा

तुकाराम जी बहुत सिद्ध संत हैं, इनकी बात गलत नहीं हो सकती है। उसने तय किया कि जीवन के सात दिन बचे हैं तो अब आनंद के साथ ही जीना चाहिए। उस व्यक्ति ने अपनी जीवन शैली ही बदल दी। सभी के साथ प्रेम से रहने लगा। उसने जो गलतियां की थीं, उनमें सुधार किया। जिन लोगों को उसकी वजह से नुकसान हुआ था, उनसे क्षमा मांगी। हर पर प्रसन्न रहने लगा। इसी तरह सातवां दिन आ गया। उनसे सोचा कि अंतिम दिन अपने गुरु से भी मिल लेना चाहिए। वह तुरंत ही तुकाराम जी के पास पहुंच गया। उसने कहा कि जैसा आपने कहा था कि मेरी सात दिन बात मृत्यु होगी। आज सातवां दिन है। अंतिम दिन मैं आपसे मिलने आया हूं। तुकाराम जी ने उसकी बात सुनी और कहा कि जुग-जुग जियो। ये बात सुनकर उस व्यक्ति ने कहा कि गुरु जी मैं अगले दिन तो मैं मर जाऊंगा तो आप ऐसा आशीर्वाद क्यों दे रहे हैं? तुकाराम जी ने कहा कि मैंने तो तुम्हें तुम्हारे ही सवाल का जवाब दिया था, तुमने मेरे प्रसन्न रहने का रहस्य पूछा था।

## अंतर्मन




## आज की पाती

### जब ठहर गया अमेरिका का आसमान

अमेरिका से आई विमानन क्षेत्र की खबर केवल एक देश के हवाई यातायात में आई अव्यवस्था की कहानी नहीं है, बल्कि आधुनिक तकनीक पर अत्यधिक निर्भर होती दुनिया के सामने खड़े एक बड़े खतरे का संकेत भी है। जिस अमरीका को तकनीकी विकास, वैज्ञानिक नवाचार और आधुनिक परिवहन व्यवस्था का अग्रणी देश माना जाता है, उसी के हवाई यातायात तंत्र में आई गंभीर तकनीकी गड़बड़ी ने हजारों उड़ानों को प्रभावित कर दिया। गत 13 नवंबर को अमरीका के संघीय विमानन प्रशासन ने हवाई यातायात नियंत्रण केंद्रों में संचार संबंधी समस्या के कारण देशभर से उड़ान भरने वाले विमानों पर अस्थायी रोक लगा दी। यह फैसला सामान्य परिचालन बाधा नहीं था, बल्कि यात्रियों और विमानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया एक असाधारण कदम था। -सचिन शर्मा, सोनीपत

## ट्रेंड

### जन्मदिन की शुभकामनाएं



बिहार के मुख्यमंत्री समाट चौधरी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। वे बिहार के विकास को गति देने और प्रदेशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर अनेक प्रयास कर रहे हैं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें। -नरेंद्र मोदी, पीएम

### सपा महत्वपूर्ण सहयोगी



सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। उत्तर प्रदेश के लोग बदलाव चाहते हैं। पार्टी इंडि गठबंधन के साथ मिलकर जनता के सामने बेहतर विकल्प देगी। -राहुल गांधी, नेता विपक्ष

### मिलकर चुनाव लड़ेंगे



समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। गठबंधन में प्रत्याशी चयन का आधार उसकी योग्यता और जीतने की क्षमता होगी। जिस उम्मीदवार को सबसे बेहतर माना जाएगा, गठबंधन की ओर से उसी को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा और जिताया जाएगा। -अखिलेश यादव, सपा अध्यक्ष

### ये महाकाल की धरती



मेरे इंदौर आने और कार्यक्रम को रोकने की कई बार कोशिशें की गईं। मुझे मारने की धमकी तक दी गई है। लेकिन मैं घबराने वाला नहीं हूं। ये महाकाल की धरती है और यहां आने से हमें कोई नहीं रोक सकता। 'सभी का खून है शामिल यहां की मिट्टी में। किसी के बाप का हिन्दोस्तान थोड़ी है।' -दिलजीत दोसांझ, पंजाबी गायक



## करंट अफेयर

# अचानक यूक्रेन पहुंचे हैरी सैनिकों के जज्बे को सराहा

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों की रविवार को सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए आदर्श बताया और कहा कि कीव को इन सैनिकों को लगातार सहयोग देना चाहिए। हैरी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन की अपनी अघोषित सप्ताहांत यात्रा पूरी की। युद्ध शुरू होने के बाद हैरी की यह यूक्रेन की चौथी यात्रा थी। वहीं, पश्चिमी शहर लीव का उनका यह दूसरा दौरा था। उन्होंने लीव में 'सुपरह्यूमन्स सेंटर' में मरीजों और कर्मचारियों से मुलाकात की। यह एक हड्डी रोग एवं पुनर्वास केंद्र है, जहां घायल सैन्यकर्मियों और आम नागरिकों का इलाज किया जाता है। हैरी ने 'इन्विक्टस गेम्स' के लिए चयन ट्रायल के दौरान कहा, 'हमने इन सैनिकों के वर्दी पहनने से पहले ही उनमें निवेश किया है और जब वे वर्दी उतार दें, तब भी हमें उनका साथ देना और उन पर निवेश करना जारी रखना चाहिए। 'इन्विक्टस गेम्स' पैरालंपिक खेलों की तर्ज पर आयोजित होने वाला एक खेल आयोजन है। इसकी शुरुआत हैरी ने दुनिया भर के पूर्व सैनिकों को युद्ध में लगी चोटों से उबरने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से की थी। अफगानिस्तान में सेवा दे चुके ब्रिटिश सेना के पूर्व सैनिक हैरी ने शनिवार को व्हीलचेयर पर बैठे रग्बी के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला देखा।



## ऑफ बीट

# ऑर्गेनिक के नाम पर क्या खरीद रहे हैं उपभोक्ता?

'ऑर्गेनिक' (जैविक) एक ऐसा शब्द है, जिसका सामना हम हर बार सुपरमार्केट में खरीदारी करते समय करते हैं। हालांकि, अलग-अलग लोगों के लिए इसके मायने भी अलग-अलग हो सकते हैं। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि स्वाद, गुणवत्ता, पर्यावरण संबंधी चिंताएं और स्वास्थ्य व सुरक्षा से जुड़े संभावित लाभ उपभोक्ताओं को 'ऑर्गेनिक' खाद्य पदार्थ खरीदने के लिए प्रेरित करते हैं। शोध से पता चलता है कि अच्छे भोजन की तलाश लोगों को सुपरमार्केट से निकालकर सीधे किसानों और उत्पादकों तक, यहां तक कि अपने घर के बगीचों तक ले जा सकती है। एक सर्वेक्षण में सामने आया था कि 'ऑर्गेनिक' उत्पाद नहीं खरीदने वाले अधिकतर लोगों के लिए उनकी ऊंची कीमत एक बड़ी बाधा थी। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर वे किस चीज के लिए धन खर्च कर रहे हैं? आम तौर पर 'ऑर्गेनिक' खेती ऐसी कृषि पद्धति मानी जाती है, जो मिट्टी, पारिस्थितिकी तंत्र और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद करती है। इसके तहत मिलने वाला प्रमाणन यह सुनिश्चित करने में सहायक होता है कि 'ऑर्गेनिक' उत्पाद आपूर्ति श्रृंखला के हर चरण में निर्धारित मानकों पर खरे उतरें। हालांकि, मेरे शोध से पता चला कि उपभोक्ता 'ऑर्गेनिक' खाद्य पदार्थों की पहचान जरूरी नहीं कि उनके पैकेट पर लगे प्रमाणन चिह्न या लेबल से ही करते हों।



## कानपुर पुल की मरम्मत से पुरवा मार्ग पर दबाव बढ़ा, मिरी चौराहे पर दो किमी तक लगा भीषण जाम

उन्नाव। कानपुर पुल की मरम्मत के चलते पुरवा मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। सोमवार शाम चार बजे पुरवा कोतवाली क्षेत्र के मिरी चौराहे पर भीषण जाम लग गया। वाहनों की कतारें करीब दो किलोमीटर तक फैल गईं।

**न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा**
**रा०प्र०क्र०-/20(1)/2026-27**
**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका विनायक सिंह आ०/पति अशोक कुमार सिंह जाति निवासी देवीगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-सत्तीपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 718, 719/9 रकबा 0.05. 0.05 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 02.12.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 17.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

**न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)**
**रा०प्र०क्र०- /अ-6/2026-27**
**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक वसीम खान आ० नसीमुद्दीन निवासी रसूलपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2490/1 रकबा 0.108 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में हिब्बानामा के आधार पर अनावेदकगण का नाम विलोपित कर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 09.12.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस व्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांकः- 17/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

**न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला सूरजपुर (छ०ग०)**
**रा०प्र०क्र० ब/121 वर्ष**
**ग्राम-द्वारिकानगर प०ह०न०**
**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्यामपति आ० स्व० बहोरा जाति गोड़ निवासी ग्राम द्वारिकानगर प०ह०नं० रा०नि०म० तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री बडे पिता स्व. छतर का जन्म/मृत्यु दिनांक 10-05-2009 को ग्रामद्वारिकानगर में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत द्वारिकानगर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 30/11/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायायल में पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा आज दिनांक 16/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
तहसील लटोरी
जिला सूरजपुर (छ०ग०)

**न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०**
**रा०प्र०क्र०- 6535अ-6/2026-27**
**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका शालिनी वर्मा पति श्री सुयश वर्मा, निवासी मकान 237 वार्ड नं. शक्ति वार्ड गोपाल होटल के पिछे, बसंत टेंट हाउस के सामने सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है, कि अनावेदकगण श्रीमती रंजना वर्मा पति स्व. विनय कुमार वर्मा, श्री सुयश वर्मा आ.स्व. विनय कुमार वर्मा, निवासी मकान 237 वार्ड नं. शक्ति वार्ड गोपाल होटल के पिछे, बसंत टेंट हाउस के सामने सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर मोहल्ला-सत्तीपारा शीट नं. 02 स्थित नजूल भूखण्ड क्र. 582 रकबा 1306.80 वर्गफीट भूमि का पंजीबद्ध दानपत्र दिनांक 20.08.2025 का निष्पादन आवेदिका के पक्ष में किया गया है। तत्पश्चात उक्त पंजीबद्ध दानपत्र दिनांक 20.08.2025 के आधार पर आवेदिका द्वारा उक्त आवेदित भूमि अनावेदकगण का नाम विलोपित करते हुये स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु पंजीबद्ध दानपत्र दिनांक 20.08.2025 की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-30/11/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-27/10/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

## 16 दिसंबर तक जुड़वा या सुधरवा सकेंगे अपना नाम

# यूपी की वोटर ड्राफ्ट सूची जारी, 7 महीने में बढ़े 19 लाख नए मतदाता, महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी की वोटर का एसएसआर किया जा रहा है। आज एसएसआर की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर दी गई। जिसके तहत ड्राफ्ट मतदाता सूची में कुल 13.58 करोड़ मतदाता हैं...

गलवार को जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के ताबिक, प्रदेश में पुरुष मतदाताओं की संख्या 7 रोड़ 38 लाख 58 हजार 510 है। पिछली सूची पुरुष मतदाताओं की संख्या 7 करोड़ 30 लाख 1 हजार 61 है। पिछली सूची के मुकाबले लगभग 87 लाख पुरुष मतदाता बढ़े हैं। प्रदेश में महिला तदाताओं की संख्या भी बढ़ी है। ड्राफ्ट वोटर स्ट में महिला मतदाताओं की संख्या 6 करोड़ 0 लाख 6 हजार 353 है। वहीं, पिछली सूची में हिला मतदाताओं की संख्या 6 करोड़ 9 लाख 9 जार 525 थी। महिला मतदाताओं की संख्या रीब 10.97 लाख बढ़ी है।



### अनुमानित आबादी से 2.58 करोड़ मतदाता कम

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट और साल 2026 की अनुमानित आबादी के आंकड़ों में एक अंतर देखने को मिला है। अनुमान के मुताबिक, उत्तर प्रदेश की आबादी के हिसाब से तकरीबन 16.16 करोड़ मतदाता होने चाहिए लेकिन ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में सिर्फ 13.58 करोड़ मतदाताओं के नाम दर्ज है। यानी अनुमानित संख्या के मुकाबले वोटर लिस्ट में तकरीबन 2 करोड़ 58 लाख मतदाता कम हैं।

### युवा मतदाताओं की संख्या में आई कमी

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के मुताबिक, युवा मतदाताओं की संख्या कम हुई है। नई लिस्ट में 11 लाख 83 हजार 352 मतदाता हैं, जबकि 10 अप्रैल की पिछली सूची में इनकी संख्या 17 लाख 63 हजार 360 थी। युवा मतदाताओं की संख्या करीब 5.80 लाख घटी है। नई सूची में जेंडर रेशियो 840 है जबकि पिछली सूची में यह 834 था. वहीं, ईपी रेशियो यानी मतदाता-जनसंख्या अनुपात भी 55.17 से बढ़कर 55.95 हो गया है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने, किसी जानकारी में सुधार कराने या आपत्ति दर्ज कराने के लिए 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक का समय दिया गया है। दावे और आपत्तियों का निपटारा 28 दिसंबर तक किया जाएगा। चुनाव आयोग ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने, सुधार कराने या अन्य कोई आपत्ति दर्ज कराने के लिए एक महीने का समय दिया है। 4 जनवरी 2027 को फाइनल वोटर लिस्ट का प्रकाशन किया जाएगा।

## नवीन ने उप्र भाजपा की दो दिवसीय योजना बैठक में मिशन-2027 की तैयारियों को परखा

# कार्यकर्ताओं के दम पर भाजपा 2027 में लगातार तीसरी बार हासिल करेगी ऐतिहासिक विजयः नितिन नवीन

▶▶ नई दिल्ली



भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय योजना बैठक मंगलवार को मथुरा के परखम स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय गो-विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में संपन्न हुई। बैठक के दूसरे दिन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उपस्थित पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान आगामी तीन महीनों की कार्ययोजना, संगठनात्मक गतिविधियों, सहयोगी दलों के साथ समन्वय और वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन का उत्तर प्रदेश में यह पांचवां प्रवास है, इससे पहले वे पश्चिम, अवध, काशी और गोरखपुर क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं।

इस दो दिवसीय योजना बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं मंत्री पंकज चौधरी, राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष, राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी, हरीश द्विवेदी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं बृजेश पाठक तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मथुरा पहुंचने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं मंत्री पंकज चौधरी तथा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं बृजेश पाठक ने स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके पश्चात सभागार में विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया।

बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन की तैयारियों, व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने, केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने का आह्वान किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कांग्रेस, आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम सहित किसी भी विपक्षी दल को उत्तर प्रदेश में सफलता नहीं मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ऐतिहासिक जीत हासिल करेगी। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा चिह्नित देश की चार प्रमुख श्रेणियों - महिला, गरीब, युवा और किसान, के सशक्तिकरण और कल्याण को लक्ष्य बनाकर केंद्र और प्रदेश सरकार ने अनेक योजनाएं संचालित की हैं। भाजपा इन्हीं उपलब्धियों और जनकल्याणकारी कार्यों के आधार पर जनता के बीच जाएगी।

## पूर्वांचल में सपा का शक्ति प्रदर्शन

# गोरखपुर में अखिलेश यादव का 20 किमी लंबा रोड शो आज

एजेंसी ▶▶ गोरखपुर

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव इस बार गोरखपुर केवल एक कार्यक्रम में शामिल होने नहीं आ रहे, बल्कि सियासी ताकत का बड़ा संदेश देने की तैयारी में हैं। चौरी चौरा के देवकली में 18 नवंबर को होने वाले उनके कार्यक्रम का स्वरूप बदल दिया गया है। अब इसमें करीब 20 किलोमीटर का रोड शो भी जोड़ दिया गया है।

अखिलेश यादव गोरखपुर एयरपोर्ट से पीडीए रथ पर सवार होकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। पार्टी की रणनीति इस आयोजन को पूर्वांचल में शक्ति प्रदर्शन के रूप में स्थापित करने की है।



### दो घंटे से अधिक समय में पूरा होगा रोड शो

अखिलेश यादव 18 नवंबर को दोपहर 12 बजे गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से रोड शो शुरू होगा, जो करीब दो घंटे से अधिक समय में पूरा होगा। रोड शो को देखते हुए पार्टी ने कार्यकर्ताओं की जुटान का दायरा भी बढ़ा दिया है।

# नीतीश सेतु पर सियासत से नाराज ललन का आरजेडी पर पलटवार

एजेंसी ▶▶ पटना



कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर सिक्स लेन ब्रिज का नाम नीतीश सेतु रखे जाने पर सियासत का दौर तेज है।

### शपथ पत्र

मैं जयराम कुमार सिंह पिता सुदेश उम्र 19 वर्ष निवास - गाँव भवरमाल तहः पाल रामानुजगंज जिला-बलरामपुर (छ.ग) पिन कोड 497220 का निम्नांकित शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि :-

1 मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ। 2. मेरे स्वयं के नाम से जारी आधार कार्ड नम्बर 741723220366 है, जिसमे मेरे स्वयं का जय राम सिंह (JAI RAM SINGH) पिता का नाम सुदेश (SUDESH) अंकित है, जो मेरे स्वयं का नाम है। 3. मैं वर्तमान में स्वयं का नाम सुधार कर दसवी के अंकसूचि के आधार पर वास्तविक नाम जयराम कुमार सिंह (JAYRAM KUMAR SINGH) पिता का नाम सुदेश (SUDESH) आधार कार्ड नम्बर 741723220366 में स्वयं का नाम दर्ज करना चाहता है।

4. यह शपथ पत्र में उल तथ्यों के संबंध में स्वतः का शपथ पत्र निष्पादित कर रहा है। मैं जयराम कुमार सिंह पिता सुदेश उम्र 19 वर्ष, निवासी गाँवः- भवरमाल पोस्ट :- चन्द्रनगर थाना रामानुजगंज तहसील रामानुजगंज जिला बलरामपुर रामानुजगंज (छ.ग.) पिन कोड 497220 का सत्यापित करता हूं, कि उपर लिखे कडिका क्र 1 से लेकर 4 तक मेरी निजी ज्ञान व जानकारी सत्य एवं सही है।

जयराम कुमार सिंह
शपथकर्ता

# श्री कृष्ण लीला महोत्सव में सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र की भावपूर्ण लीला का किया गया मंचन

संवाददाता

बांगरमऊ, उन्नाव। श्री दुर्गेश्वर कृष्ण लीला समिति द्वारा आयोजित 74वें कृष्ण लीला महोत्सव के पंचम दिवस महादानी सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र की भावपूर्ण लीला का मंचन किया गया। वृंदावन से पधारे कलाकारों ने सत्य, धर्म, त्याग और दान की ऐसी जीवंत झांकी प्रस्तुत की कि पूरा पंडाल भक्ति रस में डूब गया। दर्शकों की आंखें कई बार नम हो गईं और सत्य की विजय पर जयकारे गूंज उठे। लीला के प्रारंभ में सर्वप्रथम ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अर्जुन लाल दिवाकर, पप्पू त्रिवेदी एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष बाला राव गुप्ता ने ठाकुर जी का पूजन कर एवं आरती उतारकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लीला में दशार्या गया कि महर्षि विश्वामित्र महाराजा हरिश्चंद्र की परीक्षा लेते हैं। परीक्षा की घड़ी में उन्होंने महाराजा से उनका राज-पाट, स्वर्ण-आभूषण, समस्त वैभव ले लिया और उनके ऊपर 60 भर सोने का कर्ज भी चढ़ा दिया। धर्म-संकट में पड़े महाराजा सत्य से विचलित नहीं हुए। कर्ज चुकाने के लिए वे काशी नगरी पहुंचते हैं। काशी में उन्होंने अपनी पत्नी तारामती और पुत्र रोहिताश्व की बोली लगाई। एक पंडित जी द्वारा उनकी पत्नी व पुत्र को 40 भर सोने में सेवा कार्य के लिए रख लिया जाता है। वहीं एक डोम राजा द्वारा महाराजा हरिश्चंद्र को श्मशान घाट पर अंतिम क्रिया करने के लिए रख लिया जाता है।

### मेला परिसर का नगर अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

सुमेरपुर, उन्नाव। नगर पंचायत भगवंतनगर में 24 नवंबर से शुरू होने वाले पांच दिवसीय ऐतिहासिक 'हटिया मेले' की तैयारियों को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष आशीष शुक्ला 'रिंकू' ने प्रशासनिक टीम के साथ मेला परिसर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेला मैदान में ईंट, निर्माण सामग्री, निजी सामान और गोबर (घूर) डालकर किए गए अवैध अतिक्रमण पर अध्यक्ष ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित लोगों को दो दिन के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटम दिया और स्पष्ट चेतावनी दी कि तय समय-सीमा के बाद जेसीबी (बुलडोजर) चलवाकर परिसर को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

### शपथ-पत्र

मैं अरविंद पैकरा पिता पानसे पैकरा उम्र 40 वर्ष जाति कवर निवासी ग्राम नावाडीह कला पोस्ट चांदों थाना चांदो व तहसील चांदो जिला बलरामपुर रामानुजगंज छत्तीसगढ़ की मूल निवासी हूं जो कि निम्न कथन है शपथ करता हूं कि 1. मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मैं उक्त पते पर स्थाई निवास करता हूं 2. मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मैं अरविंद पैकरा सुपुत्र पानसे पैकरा ग्राम नवाडिह कला पोस्ट चांदो थाना चांदो व तहसील चांदो जिला बलरामपुर रामानुजगंज छत्तीसगढ़ अपने नाबालिक पुत्र संदीप पैकरा (पुराना नाम) का नाम बदलकर संतोष पैकरा (नया नाम) करना चाहता है जिस हेतु समाचार पत्र में प्रकाशित करने हेतु अप कथन की पुष्टि हेतु यह शपथ पत्र निष्पादित कर रहा हूं

अरविंद पैकरा
ह. शपथकर्ता

# कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा०) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

## नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ में उपलब्ध नये एवं पुराने ईमारती काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम -काष्ठागार मनेन्द्रगढ़
नीलाम दिनांक - 27-11-2026
नीलाम समय- प्रातः 09:00 बजे से प्रारम्भ

| क्र0 | प्रजाति | नये काष्ठ | | पुराने काष्ठ | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | लट्ठा घ0मी0 | बल्ली नग | लट्ठा घ0मी0 | बल्ली नग |
| 1 | सागौन | 0 | 0 | 37.525 | 803 |
| 2 | साल | 940.130 | 70 | 2092.350 | 1786 |
| 3 | साजा | 16.760 | 1 | 34.581 | 122 |
| 4 | धावड़ा | 20.610 | 0 | 2.749 | 321 |
| 5 | हल्दू | 6.114 | 0 | 12.493 | 0 |
| 6 | मुंडी | 0 | 0 | 0.910 | 0 |
| 7 | सतकठा | 35.620 | 0 | 114.510 | 300 |
| 8 | खम्हार | 0 | 0 | 5.786 | 22 |
| 9 | सलैया (सलई) | 1.005 | 1 | 5.368 | 2 |
| 10 | थंसा | 0 | 0 | 0.406 | 0 |
| 11 | शीशम | 0 | 0 | 0.322 | 0 |
| योगः— | | 1020.239 | 72 | 2307.000 | 3356 |

जलाऊ काष्ठ

| क्र. | विवरण | नया लॉट | पुराना लॉट |
|---|---|---|---|
| 1 | जलाऊ मिश्रित | - | - |
| योग :— | | - | - |

टीप :- 1. केता को ई-ऑक्सन के पूर्व MSTC E-commerce पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।

2. केताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व कय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है, सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत E.M.D. की राशि जमा करना अनिवार्य है।

3. लॉट की थप्पी एवं फोटो MSTC E-commerce पोर्टल में अपने आई.डी से लॉगईन करके देख सकते है।

**वनमण्डलाधिकारी**
**मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़**

**जी 262704568/2**

**कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग मनेन्द्रगढ़ जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)**
**निविदा आमंत्रण सूचना**

**क्रमांक-4377/ठक्ळ-4/2026-2027/वलेलि दिनांक 16/11/2026**

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम 25/11/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक ठेकेदारों दवारा प्रस्तत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथिः- 01/12/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक निविदा खोलने की तिथि :-02/12/2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.pwd.cg.nic.in में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र की कीमत 750/- है इनका अवलोकन संबंधित संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

| एनआईटी क्र. निविदा क्र. | कार्य का नाम/ NoOfCalls | कार्य की अनुमानित लागत (लाख मे) अमानत राशि(रू.मे) बैंक साल्वेंसी (रू.में) कार्य की अवधि |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 4 T0031 | जिला एमसीवी अंतर्गत कलेक्टर बंगला में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण | 7.66 5750.00 114900.00 03 माह वर्षा ऋतु सहित |
| 4 T0032 | जिला एमसीवी अंतर्गत कलेक्टर बंगला में किचन कक्ष एव डाइनिंग कक्ष का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण | 7.68 5760.00 115200.00 03 माह वर्षा ऋतु सहित |
| 4 T0033 | जिला एमसीवी अंतर्गत तहसील जनकपुर एवं शासकीय महविद्यालय जनकपुर में शौचालय का निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण | 5.15 3780.00 77250.00 03 माह वर्षा ऋतु सहित |

**कार्यपालन अभियंत्य**
**लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग मनेन्द्रगढ़**
**जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)**

**जी 262704556/1**

**न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)**
**रा०प्र०क्र०-/अ-27/2026-27**
**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सीता यादव पुत्री स्व. जवाहिर यादव व अन्य, निवासी ग्राम रनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा ग्राम रनपुरकला स्थित खसरा नंबर 108/10, 486/41 - रकबा क्रमशः 0.567, 0.809 है. भूमि का आवेदकगण एवं अनावेदकगण के मध्य में बराबर-बराबर भागों में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 25/11/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 21/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

# छत्तीसगढ़ तैयार करेगा बच्चों के लिए देश का पहला बाल कल्याण फ्रेमवर्क, बस्तर-सरगुजा पर विशेष फोकस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। विकसित छत्तीसगढ़-2047 के लिए राज्य सरकार बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और सुरक्षा को लेकर देश का पहला बाल कल्याण फ्रेमवर्क तैयार कर रही है। राज्य नीति आयोग और यूनिसेफ मिलकर इसे बना रहे हैं, ताकि योजनाएं अधिक प्रभावी, परिणामोन्मुखी और साक्ष्य आधारित बनें। बस्तर और सरगुजा के बच्चों की चुनौतियों पर विशेष ध्यान रहेगा। नवा रायपुर स्थित राज्य नीति आयोग में उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में गोलमेज बैठक हुई। इसमें यूनिसेफ के वैश्विक-राष्ट्रीय विशेषज्ञों और विभिन्न विभागों के सचिवों ने फ्रेमवर्क की आधारभूत रिपोर्ट, सूचकांकों, विभागीय समन्वय, लक्षित बजट और परिणाम आधारित वित्तीय व्यवस्था पर चर्चा की।



## बच्चों में निवेश ही मजबूत नींव

मिश्रा ने कहा कि 2047 का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब आज के बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्याप्त पोषण, सुरक्षित वातावरण और समान अवसर मिलेंगे। प्रदेश के 97 लाख से अधिक बच्चे भविष्य में किसान, शिक्षक, चिकित्सक, इंजीनियर, वैज्ञानिक और उद्यमी बनेंगे। फ्रेमवर्क से पता चलेगा कि कौन से बच्चे पीछे हैं, योजनाओं का लाभ उन तक पहुंच रहा है या नहीं।सदस्य डॉ. के. सुब्रमण्यम ने कहा कि बाल कल्याण सूचकांक से विश्वसनीय आंकड़ों के आधार पर संसाधनों का न्यायसंगत वितरण होगा।

## वैश्विक अनुभवों से बनेगी नीति

यूनिसेफ की वरिष्ठ सलाहकार जेनिफर याब्लोंस्की ने मैक्सिको और मलेशिया के उदाहरण दिए। यूनिसेफ इंडिया की प्रमुख क्रिस्टीना पोपिवानोवा ने कहा कि फ्रेमवर्क से विभागों में समन्वय होगा और जरूरतों को बजट से जोड़ा जाएगा। उन्होंने न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, चिली, कोलंबिया, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के अनुभव साझा किए।खेल सचिव यशवंत कुमार ने एनएसएस और माय भारत के युवाओं की सहभागिता का सुझाव दिया। वित्त विभाग की विशेष सचिव शीतल शाश्वत वर्मा ने कहा कि इससे बजट विकास के वास्तविक परिणामों से जुड़ेगा।

## दो सूचकांकों से मापी जाएगी स्थिति

पहला परिणाम सूचकांक होगा, जिससे स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और समग्र विकास का पता चलेगा। दूसरा सेवा प्राप्ति सूचकांक होगा, जिससे यह आकलन होगा कि बच्चों को आयु और जरूरत के अनुरूप सेवाएं मिल रही हैं या नहीं।पूरे प्रदेश में लागू करने से पहले एक जिले में पायलट परियोजना शुरू होगी। आर्थिकी एवं सांख्यिकी संचालक तीर्थराज अग्रवाल ने बताया कि विभागों के आंकड़ों को एकीकृत करने के लिए साझा पहचानकर्ता विकसित किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास संचालक रेणुका श्रीवास्तव ने बस्तर में पोषण की चुनौतियों की जानकारी दी। बैठक का संयोजन संयुक्त संचालक डॉ. नीतू गोरडिया ने किया। उन्होंने बताया कि 12 से अधिक विभाग बाल विकास के लिए काम कर रहे हैं। समन्वय, वंचित क्षेत्रों की पहचान और जरूरत के अनुसार बजट उपलब्ध कराना फ्रेमवर्क के प्रमुख उद्देश्य हैं।

# विकसित भारत-2047 के निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका सबसे अहम - राज्यपाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि भारत युवाओं का देश है, जहां करीब 35 प्रतिशत आबादी युवा है। यही युवा शक्ति वर्ष 2047 तक विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत बनाने में सबसे अहम भूमिका निभाएगी। युवाओं की शिक्षा, कौशल, कड़ी मेहनत और नवाचार से ही देश की प्रगति की दिशा तय होगी। राज्यपाल लोक भवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम में 'मेरा युवा भारत' द्वारा आयोजित 'वंदे मातरम्-राज्य युवा शिविर' में विभिन्न राज्यों से आए युवाओं को संबोधित कर रहे थे। 17 से 23 नवंबर तक चलने वाले सात दिवसीय शिविर में महाराष्ट्र, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और जम्मू-कश्मीर के युवा हिस्सा ले रहे हैं।



## राष्ट्रीय एकता और संस्कृति का आदान-प्रदान

राज्यपाल ने कहा कि ऐसे शिविर अलग-अलग राज्यों के युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, परंपराओं और विचारों को जानने का अवसर देते हैं। इससे सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए इसे मातृभूमि के प्रति प्रेम, समर्पण और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बताया।

## सफलता का मूल मंत्र

युवाओं को धैर्य, दृढ़ता, स्पष्ट उद्देश्य, निरंतर प्रयास, कठोर परिश्रम और अनुशासन अपनाने की सलाह दी। कहा कि आज का काम कल पर टालने की आदत से बचें, समय की पाबंदी ही सफलता की असली नींव है।

## गांवों की ओर रुख और कृषि में नवाचार

राज्यपाल ने युवाओं को गांवों की जरूरतें समझकर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर तलाशने को कहा। कृषि को उद्यमिता और स्टार्टअप का माध्यम बनाने, जैविक खेती, प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग और आधुनिक कृषि पद्धतियां अपनाने की अपील की।

## बस्तर में सकारात्मक बदलाव

बस्तर का उदाहरण देते हुए कहा कि जहां सुरक्षा होती है, वहीं शांति और विकास होता है। नक्सलवाद का प्रभाव कम होने और सुरक्षा बेहतर होने से बस्तर में शांति स्थापित हुई है। अब वहां मोबाइल टावर, रेडियो, टेलीविजन की पहुंच बढ़ी है और बच्चे नियमित स्कूल जा रहे हैं। कार्यक्रम में राज्यपाल ने विभिन्न राज्यों के प्रतिभाशाली युवा स्वयंसेवकों को सम्मानित किया और उनके सवालों के जवाब दिए। शुरूआत में 'मेरा युवा भारत' के राज्य निदेशक अर्पित तिवारी ने शिविर के उद्देश्यों की जानकारी दी। इस दौरान राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना सहित अन्य अधिकारी और युवा प्रतिभागी उपस्थित रहे।

# मुख्यमंत्री साय ने दीपावली मिलन समारोह में पद्मश्री मदन सिंह चौहान से की आत्मीय भेंट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पद्मश्री से सम्मानित संगीत साधक मदन सिंह चौहान से आत्मीय भेंट की और उन्हें दीपावली की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने संगीत साधना के प्रति चौहान के संघर्ष, समर्पण और कला के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री समारोह में एक-एक टेबल पर पहुंचकर अतिथियों से मुलाकात कर रहे थे।



## टिन के पीपे से शुरू हुआ संगीत का सफर

संगीत सीखने की लगन सच्ची हो तो साधन कभी राह का रोड़ा नहीं बनते। रियाज के लिए जब कोई वाद्य यंत्र नहीं मिला, तो चौहान ने टिन के पीपे को ही ढोलक बना लिया और उसी पर थाप देकर साधना शुरू की। ढोलक से तबले तक का सफर तय किया और करीब 30 वर्षों तक तबला बजाने के बाद आज सूफी गायकी में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने साधना जारी रखी। गजल एवं सूफी गायन में विशेष मुकाम हासिल करने पर भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया। लोग उन्हें स्नेह से 'गुरुजी' कहते हैं।

# स्पेस ऑन व्हील से जनजातीय अंचलों के बच्चों तक पहुंच रहा अंतरिक्ष विज्ञान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। जिन बच्चों के लिए उपग्रह अब तक आसमान में चमकते बिंदु भर थे, उनके सामने अब इसरो के उपग्रहों के मॉडल मौजूद हैं। विज्ञान को प्रयोगशालाओं और बड़े संस्थानों तक सीमित न रखकर गांवों और स्कूलों तक पहुंचाने में जुटी विज्ञान भारती की इस पहल की मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सराहना की। नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में विज्ञान भारती के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।



मुख्यमंत्री ने उनसे आत्मीय भेंट की और जनजातीय अंचलों में विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विज्ञान और नवाचार के प्रति जिज्ञासा नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। जनजातीय अंचलों के बच्चों को देश की वैज्ञानिक उपलब्धियों से परिचित कराने से उनमें नई चीजों को जानने-समझने की रुचि बढ़ेगी।

## क्या है स्पेस ऑन व्हील

संस्था के प्रतिनिधि वर प्रसाद कोला ने बताया कि विज्ञान भारती राष्ट्रीय स्तर की संस्था है, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। संस्था स्वदेशी विज्ञान आंदोलन के माध्यम से भारतीय वैज्ञानिक परंपरा और आधुनिक विज्ञान के बीच संवाद स्थापित कर रही है। इसमें वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ नई पीढ़ी के वैज्ञानिक भी जुड़े हैं। इसरो, आईसीएमआर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से जुड़े विशेषज्ञों का भी योगदान है। दूरस्थ अंचलों तक विज्ञान की जिज्ञासा पहुंचाने के लिए विज्ञान भारती 'स्पेस ऑन व्हील' पहल संचालित कर रही है। इस विशेष वाहन में इसरो द्वारा प्रक्षेपित उपग्रहों के मॉडल और अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी प्रदर्शन सामग्री रखी जाती है। वाहन के साथ मौजूद वैज्ञानिक और प्रशिक्षित शिक्षक बच्चों को उपग्रहों, अंतरिक्ष अभियानों और अनुसंधान की कार्यप्रणाली सरल भाषा में समझाते हैं। इससे उन बच्चों को भी अंतरिक्ष विज्ञान को करीब से जानने का अवसर मिल रहा है, जिनके लिए वैज्ञानिक संस्थानों तक पहुंचना आसान नहीं है। इस अवसर पर शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. कुशकुमार नायक तथा एनआईटी रायपुर के कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रोफेसर डॉ. दिलीप कुमार सिसोदिया भी उपस्थित रहे।

# नर्सिंग ऑफिसर्स की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू, 9 मांगों को लेकर प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नियमितीकरण, ग्रेड पे और वेतन वृद्धि समेत 9 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर के नर्सिंग ऑफिसर्स 18 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। इससे सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। आंदोलन के तहत प्रदेश के सभी 10 मेडिकल कॉलेज परिसरों में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक प्रदर्शन किया जा रहा है। इसमें चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत नियमित, संविदा और डेली वेजेस स्टाफ नर्स शामिल हैं। संगठनों ने आंदोलन की सूचना स्वास्थ्य मंत्री और आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा को दे दी है।




## 2018 की कमेटी रिपोर्ट लागू करने समेत 9 मांगें

प्रमुख मांगों में वर्ष 2018 में गठित कमेटी की रिपोर्ट लागू करना, संविदा, डेली वेजेस और ठेका स्टाफ का नियमितीकरण, ग्रेड पे लागू करना, वेतन वृद्धि और सेवा से जुड़ी अन्य मांगें शामिल हैं।

## 21 नवंबर को मुख्यमंत्री निवास घेराव की चेतावनी

नर्सिंग ऑफिसर्स ने चेतावनी दी है कि यदि 2-3 दिनों के भीतर ग्रेड पे को लेकर आदेश जारी नहीं हुआ, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। 21 नवंबर को प्रदेशभर के नर्सिंग संवर्ग के कर्मचारी नवा रायपुर स्थित प्रदर्शन स्थल से मुख्यमंत्री निवास घेराव के लिए जुटेंगे।

# मुख्यमंत्री साय से मिले पद्मश्री पंडीराम मंडावी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में नारायणपुर के पद्मश्री काष्ठ शिल्पकार पंडीराम मंडावी भी आमंत्रित अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंडावी से आत्मीय भेंट कर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने काष्ठ शिल्प के प्रति उनके दशकों के समर्पण और इस पारंपरिक कला को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। मंडावी ने महज 15 वर्ष की उम्र में लकड़ी पर आकृतियां उकेरने की शुरूआत की थी और अपना पूरा जीवन इस कला को समर्पित कर दिया। उनकी कृतियों में जनजातीय जीवन, संस्कृति और परंपराओं की जीवंत झलक दिखाई देती है। इसी योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया।



## मुख्यमंत्री के आग्रह पर 12 युवाओं को दिया प्रशिक्षण

मुलाकात में मंडावी ने बताया कि अबूझमाड़ प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने उनसे अबूझमाड़िया युवाओं को काष्ठ शिल्प का प्रशिक्षण देने को कहा था। इस आग्रह पर उन्होंने करीब एक माह तक प्रशिक्षण देकर 12 अबूझमाड़िया युवाओं को इस कला की बारीकियां सिखाईं। उनका मानना है कि कोई भी पारंपरिक कला तभी जीवंत रह सकती है, जब उसका ज्ञान अगली पीढ़ी तक पहुंचे।

## बस्तर के दूरस्थ गांवों तक पहुंचना अब हुआ आसान

मंडावी ने बताया कि अब बस्तर में सड़क, अस्पताल और धान खरीदी जैसी सुविधाएं पहले से अधिक सुलभ हुई हैं। गांवों तक बस सेवा शुरू होने से बड़ी राहत मिली है। पहले लंबी दूरी के लिए साइकिल ही सहारा होती थी, लेकिन अब बस सेवा से दूरस्थ गांवों तक पहुंचना आसान हो गया है। सुविधाओं के विस्तार के साथ युवाओं को पारंपरिक कला से जोड़ने के प्रयास उन्हें अपनी सांस्कृतिक पहचान आगे बढ़ाने का अवसर दे रहे हैं।

# उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सौंपा दिवंगत आरक्षक के परिवार को 1 करोड़ 8 लाख रुपए के बीमा राशि का चेक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने महानदी भवन, नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की 17वीं वाहिनी कबीरधाम में पदस्थ रहे दिवंगत आरक्षक स्व. सोनवीर कुमार की पत्नी प्रीति देवी को बैंक ऑफ बड़ौदा की सैलरी पैकेज बीमा योजना के तहत 1 करोड़ 8 लाख रुपए की बीमा राशि का चेक सौंपा। उपमुख्यमंत्री ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सदस्य को खोने की क्षति अपूरणीय होती है, लेकिन आर्थिक सुरक्षा परिवार को आगे बढ़ने का संबल देती है। पुलिसकर्मी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कर्तव्य निभाते हैं, इसलिए उनके परिवारों की सुरक्षा भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सैलरी पैकेज बीमा योजना का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। हाल ही में नगर सैनिकों और फायर फाइटर्स को भी इससे जोड़ा गया है, ताकि आपातकाल में सेवा देने वाले जवानों के परिवारों को भी बीमा सुरक्षा मिल सके। उपमुख्यमंत्री ने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिया कि परिवार को बीमा राशि के सुरक्षित निवेश और वित्तीय प्रबंधन के बारे में मार्गदर्शन दें, ताकि राशि परिवार की दीर्घकालिक सुरक्षा और बच्चों के भविष्य के लिए उपयोगी हो। उन्होंने शासन की ओर से देय शेष सहायता और अन्य सुविधाएं जल्द उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि स्व. सोनवीर कुमार कैंप घाघरा में आरक्षक के पद पर पदस्थ थे। उन्होंने पुलिस बल में 12 वर्षों से अधिक सेवा दी थी। 22 दिसंबर 2025 को गोली लगने की घटना में उनका आकस्मिक निधन हो गया था। उनकी पत्नी प्रीति देवी को 1 करोड़ 8 लाख रुपए की बीमा राशि मिली है। इसके अलावा उनके पुत्र दिवेश कुमार को बाल आरक्षक के रूप में अनुकंपा नियुक्ति भी दी जा चुकी है। छत्तीसगढ़ पुलिस ने अधिकारी-कर्मचारियों और आश्रित परिवारों की आर्थिक सुरक्षा के लिए विभिन्न बैंकों के साथ सैलरी पैकेज समझौते किए हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा अब तक पांच पुलिसकर्मियों के प्रकरणों में बीमा सहायता दी जा चुकी है। इस अवसर पर एडीजी प्रदीप गुप्ता, एडीजी विवेकानंद सिन्हा, 17वीं बटालियन के कमांडेंट कमलेश चंदेल, बैंक ऑफ बड़ौदा के महाप्रबंधक दिवाकर प्रसाद सिंह, उप महाप्रबंधक प्रभाकर कुमार एवं सहायक महाप्रबंधक मधुसूदन कुमार उपस्थित रहे।



## बस्तामुक्त विद्यालय रुनियाडीह में नवप्रवेशी 40 बच्चों को मिला टोपी स्वेटर



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**बिश्रामपुर।** प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में समाजसेवी गुरमीत सिंह के सौजन्य से प्राप्त टोपी सहित स्वेटर का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में अजय सिंह सहायक संचालक शिक्षा उपस्थित रहे। अन्य अतिथियों में एबीईओ सुनील सिंह पोर्ते, बीआरसी मनोज कुमार मंडल, विकासखंड परियोजना अधिकारी साक्षर भारत जयराम प्रसाद, एसएमसी अध्यक्ष कौशिल्या राजवाड़े, भुनेश्वरी राजवाड़े, शिक्षक रिजवान अंसारी श्रीमती एम. टोप्पो उपस्थित रहे।

सहायक संचालक अजय सिंह द्वारा बच्चों को शिक्षकों के बताए मार्ग पर चलने, प्रतिदिन विद्यालय पढ़ने आने, शाम के समय प्रतिदिन पढ़ने बैठने तथा अपने माता-पिता का सम्मान करने की बात कही गई। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने कि इस वर्ष संस्था के 40 नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं को टोपी सहित स्वेटर प्रदान किया गया है। गरीब तथा जरूरतमंद बच्चों को ठंड से बचाव की खातिर सामुदायिक सहयोग के तहत दानदाताओं से ऊनी कपड़े लेकर प्रदान करने का कार्य किया जाता है।

# समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली इतिहास से है जनजातीय समाज की पहचान : भूलन

### 0 भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर रंगमंच प्रांगण में हुआ जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन 0 समाज के मेधावी विद्यार्थियों एवं प्रतिभाओं का किया गया सम्मान






प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**सूरजपुर।** भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर बुधवार को यहां रंगमंच प्रांगण में प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी के मुख्य आतिथ्य में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनजातीय समाज की गौरवशाली संस्कृति, परंपराओं और विरासत को प्रदर्शित करने वाली आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इस अवसर पर जनजातीय समाज के मेधावी विद्यार्थियों एवं प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुरली मनोहर सोनी, सत्यनारायण सिंह, जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सिंह, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के सदस्य सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, राजमोहिनी देवी की सुपुत्री श्रीमती रामबाई, अमृत मरावी एवं जनजातीय समाज के लोग उपस्थित रहे। साथ ही कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, जिपं सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले तथा आदिवासी विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी भी शामिल हुए। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों एवं उरांव समाज के नर्तक दल ने जनजातीय संस्कृति और परंपराओं पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में जनजातीय समाज के मेधावी विद्यार्थियों एवं विशिष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

#### भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और बलिदान से लें प्रेरणा

मुख्य अतिथि विधायक भूलन सिंह मरावी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष कर जनजातीय समाज में स्वाभिमान, एकता और अधिकारों के प्रति जागरूकता का संचार किया। उनका संघर्ष, त्याग और बलिदान सदैव समाज को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की पहचान उनकी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली इतिहास से है। हमें अपनी भाषा, बोली और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना चाहिए। समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। अभिभावक बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दें और युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों से जोड़ें। साथ ही नशाखोरी और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास करें। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जनजातीय समाज के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों से प्रेरणा लेकर शिक्षित, संगठित और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण में योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनजातीय समाज के रामलखन पैकरा ने भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय समाज के अन्य महापुरुषों के महान कार्यों और योगदान का उल्लेख किया तथा उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज के विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया। वहीं जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सिंह ने भी भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और महापुरुषों के योगदान को स्मरण करते हुए समाज के विकास, शिक्षा एवं सांस्कृतिक संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही बाल विवाह मुक्त सूरजपुर बनाने के लिए विधायक भूलन सिंह ने सभी को शपथ दिलाई।



## 21 को चेक बाउंस के मामलों में विशेष लोक अदालत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**सूरजपुर।** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, के निर्देशानुसार तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 21 नवंबर शनिवार को परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अंतर्गत दर्ज चेक अनादरण के प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य चेक बाउंस से संबंधित लंबित न्यायालयीन प्रकरणों का आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है। विशेष लोक अदालत में केवल परक्राम्य लिखित अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत चेक बाउंस से संबंधित प्रकरणों का ही निराकरण किया जाएगा।लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण होने से पक्षकारों को लंबी न्यायालयीन प्रक्रिया से राहत मिलेगी, समय एवं धन की बचत होगी तथा आपसी विवादों का सौहार्दपूर्ण वातावरण में समाधान संभव हो सकेगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चेक बाउंस के प्रकरणों से संबंधित सभी पक्षकारों से अपील की गई है कि वे इस विशेष लोक अदालत का लाभ उठाते हुए सक्रिय सहभागिता निभाएं तथा आपसी सहमति से अपने विवादों का समाधान कर इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दें। विशेष लोक अदालत के संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने अथवा निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह हेतु आम नागरिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर एवं तालुका विधिक सेवा समिति, प्रतापपुर से संपर्क कर सकते हैं।

## कृषि विभाग ने किसानों को किया सरसों एवं अलसी बीज का वितरण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**बिहारपुर।** जिले के ओड़गी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम नवगई में कृषि विभाग द्वारा किसानों सरसों एवं अलसी बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में क्षेत्र के किसानों को सरसों एवं अलसी के बीज वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य किसानों को रबी सीजन में वैकल्पिक फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करना तथा कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए जागरूक करना है। कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को सरसों एवं अलसी की खेती के महत्व की जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि पारंपरिक फसलों के साथ तिलहन फसलों की खेती अपनाकर कृषि आय बढ़ाने की दिशा में प्रयास किया जा सकता है। सरसों एवं अलसी की खेती से किसानों को अतिरिक्त आमदनी का अवसर मिल सकता है। वहीं फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने से खेती में नए विकल्प भी उपलब्ध होंगे।जनप्रतिनिधियों ने किसानों को बीज प्राप्त कर उसका उचित उपयोग करने तथा कृषि विभाग द्वारा दी जा रही योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसानों को बेहतर खेती के लिए समय-समय पर उन्नत बीज एवं आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना जरूरी है। इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे।

## प्राचार्यों की समीक्षा बैठक में तिमाही परीक्षा परिणामों पर हुआ मंथन, कमजोर विषयों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश




प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**सूरजपुर।** विकासखण्ड रामानुजनगर एवं प्रेमनगर के सामुदायिक भवन में जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा एवं एसडीएम सुनील अग्रवाल, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी अवधेश साहू व प्रताप सिंह पैकरा, बीपीओ रविनाथ तिवारी की उपस्थिति में समस्त प्राचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विद्यालयों के तिमाही परीक्षा परिणामों की विस्तृत समीक्षा डीईओ व एसडीम के द्वारा की गई। साथ ही आगामी छमाही एवं वार्षिक परीक्षा की बेहतर तैयारी को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान परीक्षा परिणामों में सुधार लाने, विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि बढ़ाने तथा कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

इसके साथ ही बैठक में विशेष रूप से तिमाही परीक्षा में 60 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम वाले विषयों की समीक्षा की गई। संबंधित विषयों के व्याख्याताओं से परीक्षा परिणाम कम आने के कारणों की जानकारी लेते हुए आगामी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने, नियमित अध्यापन, विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा विषयवार शैक्षणिक प्रगति पर सतत निगरानी रखने की बात कही।

इस अवसर पर दोनों विकासखण्डों के समस्त प्राचार्य एवं तिमाही परीक्षा में 60 प्रतिशत से कम परिणाम वाले विषयों के व्याख्याता उपस्थित रहे।

## पक्का पता मिला तो फिर से बना राशन कार्ड, स्वामित्व योजना से गोपाल सोनी ने शुरू की अपनी किराना दुकान

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** एक पक्का पता न होना किसी व्यक्ति को सरकारी योजनाओं से कितना दूर कर सकता है, यह बलरामपुर तहसील के ग्राम भनौरा निवासी श्री गोपाल सोनी से बेहतर कौन जानता है। उनके पास कोई पुश्तैनी आवास नहीं था और मकान खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे भी नहीं थे। स्थायी पता न होने से उन्हें पेयजल, बिजली कनेक्शन और आधार कार्ड जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए भटकना पड़ता था। इसी कारण उनका राशन कार्ड भी निरस्त हो गया था।

स्वामित्व योजना ने उनकी यह मुश्किल दूर की। योजना के तहत उन्हें बिना किसी विवाद के अपने मकान का अधिकार अभिलेख, यानी प्रॉपर्टी कार्ड, मिला। इसी प्रॉपर्टी कार्ड के आधार पर उनका राशन कार्ड फिर से बन गया। मालिकाना हक वाला घर मिलने के बाद श्री सोनी ने एक छोटी किराना दुकान शुरू की। इससे उनकी आमदनी बढ़ी है और अब वे अपने परिवार का भरण-पोषण बेहतर ढंग से कर पा रहे हैं।

## सात दिवसीय नेत्र सुरक्षा अभियान शुरू, गांव-गांव हो रही आंखों की जांच

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**सूरजपुर।** विकासखंड रामानुजनगर के सभी ग्रामों में मोतियाबिंद एवं अन्य नेत्र रोगों से पीड़ित मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह के निर्देशन में सात दिवसीय विशेष नेत्र जांच अभियान सुरक्षा कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांव-गांव एवं घर-घर पहुंचकर लोगों की आंखों की जांच एवं उपचार कर रहें हैं तथा नेत्र रोगियों को चिन्हित कर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

15 नवंबर तक किए गए सर्वेक्षण के आधार पर चिन्हित नेत्र रोगियों की 16 से 21 नवंबर तक नेत्र सहायक अधिकारियों द्वारा संबंधित ग्रामों में पहुंचकर स्क्रीनिंग एवं विस्तृत जांच की जा रही है। जांच के दौरान मोतियाबिंद सहित अन्य नेत्र संबंधी बीमारियों की पहचान कर मरीजों को आवश्यक प्राथमिक उपचार एवं उचित परामर्श दिया जा रहा है।



ऑपरेशन योग्य मोतियाबिंद मरीजों को जिला चिकित्सालय में नि:शुल्क ऑपरेशन एवं कृत्रिम लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं गंभीर एवं जटिल नेत्र रोगों से पीड़ित मरीजों को बेहतर उपचार के लिए उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया जा रहा है। अभियान की गुणवत्ता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए सहायक नोडल अधिकारी मुकेश राजवाड़े एवं संपूर्ण नेत्र सुरक्षा अभियान पर्यवेक्षक अमित चौरसिया की टीम ने लगातार स्वास्थ्य शिविर स्थलों का निरीक्षण कर रही है। टीम द्वारा शिविरों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। अभियान के दूसरे दिन जिला टीम द्वारा पंचायत भवन लेडुवा, पंचायत भवन सुमेरपुर, टेलाईमुड़ा, गोविंदपुर, तेजपुर, कृष्णपुर, उप स्वास्थ्य केंद्र पोंड़ी, कमलपुर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवनगर में पहुंचकर औचक निरीक्षण किया गया एवं देवनगर सेक्टर में 547 नेत्र रोगियों का जाँच और उपचार किया गया। इस दौरान शिविरों में स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति, जांच व्यवस्था एवं मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया गया। साथ ही सभी संबंधित कर्मचारियों को निर्धारित समय पर शिविर स्थलों में उपस्थित होकर जांच कार्य सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए।


**कार्यालय अधीक्षण अभियंता**
**लोक निर्माण विभाग सेतु मण्डल अम्बिकापुर ( छ. ग. )**
**बाबूपारा जेल रोड अम्बिकापुर फोन 07774-224498 फैक्स 224113**

**ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना**
**Portal:https://eproc.cgstate.gov.in**

निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है–
निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि :– दिनांक 30.11.2026
निविदा आमंत्रण :– द्वितीय आमंत्रण

| स.क्र. | निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक व दिनांक | सिस्टम निविदा क्र. | कार्य का नाम | कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | 14 / 16.11.2026 | 203993 | लोक निर्माण विभाग सेतु उपसंभाग अम्बिकापुर अंतर्गत निर्मित पुलों में विशेष मरम्मत कार्य का निविदा आमंत्रण बावत। | रु. 49.95 लाख |
| 2 | 15 / 16.11.2026 | 203994 | लोक निर्माण विभाग सेतु उपसंभाग रामानुजगज अतर्गत निर्मित पुलों में विशेष मरम्मत कार्य का निविदा आमंत्रण बावत। | रु. 49.93 लाख |

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग सेतु मण्डल
अम्बिकापुर (छ.ग.)

जी–262704554 / 2


## कलेक्टर ने बलंगी-तुगवां अंतरराज्यीय बैरियर व बलंगी उपार्जन केंद्र का किया निरीक्षण, चेकपोस्ट पर कड़ी निगरानी के निर्देश

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** धान खरीदी में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने बलंगी-तुगवां अंतरराज्यीय बैरियर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अवैध धान परिवहन को लेकर पूरी तरह अलर्ट रहें और चेकपोस्ट से गुजरने वाले संदिग्ध वाहनों की सघन जांच करें, ताकि दूसरे राज्यों का धान किसी भी स्थिति में जिले के उपार्जन केंद्रों तक न पहुंचे। कलेक्टर ने बलंगी धान



खरीदी केंद्र का भी निरीक्षण किया और धान की गुणवत्ता परीक्षण के लिए शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का शब्दशः पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वास्तविक कृषक बंधुओं को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य मिले, यही प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए खरीदी की हर प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से पूरी की जाए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री तुलसीदास मरकाम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मो. निजामुद्दीन, तहसीलदार श्री अश्वनी चन्द्रा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

## जिला मिशन समन्वयक ने राजपुर विकासखंड के विद्यालयों का किया सघन निरीक्षण, बच्चों के पठन-लेखन कौशल का किया आकलन

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** जिले के सभी विद्यालयों में 'हर बच्चा सीखे, हर शिक्षक प्रेरित करे, हर विद्यालय उत्कृष्ट बने' की थीम पर मिशन आचार्य संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य शत-प्रतिशत साक्षरता हासिल करना और हर बच्चे को पढ़ने-लिखने में दक्ष बनाना है।

इसी क्रम में जिला मिशन समन्वयक डॉ. संजय सिंह ने 17 नवंबर को राजपुर विकासखंड के पूर्व माध्यमिक शाला आरा, प्राथमिक शाला कन्या आश्रम घटगांव, प्राथमिक शाला सिधमा, पूर्व माध्यमिक शाला सिधमा और हायर सेकेंडरी स्कूल सिधमा का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों से हिंदी और अंग्रेजी की पुस्तकें पढ़वाकर उनके पठन कौशल का आकलन किया तथा गणित और विज्ञान के छोटे-छोटे प्रश्न पूछे। कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों को उन्होंने बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक लाने के सुझाव दिए। शिक्षकों को उन्होंने कमजोर बच्चों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं लगाकर उपचारात्मक शिक्षण कराने के निर्देश दिए।

# जमीनी स्तर पर काम करके बूथ तक संगठन को मजबूत करने वाला ही आगे बढ़ेगा

## कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी ने विस्तारित बैठक में कार्यकर्ताओं को टटोला, दी नसीहत

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत के सरगुजा दौरे के दौरान बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में जिला कांग्रेस की विस्तारित बैठक ली। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव सहित वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। जिला कार्यकारिणी, ब्लॉक कार्यकारिणी, मंडल अध्यक्ष, बूथ लेवल एजेंट सहित सैकड़ों कार्यकर्ता बैठक में शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी सुखदेव भगत ने कहा कि भाजपा ने देश की संवैधानिक संस्थाओं पर कंट्रोल कर लिया है। चुनाव आयोग जैसी महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था पर नियंत्रण स्थापित कर देश के नागरिकों को मताधिकार से वंचित किया जा रहा है। हम अपने वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में संघर्ष कर देश में पुन: संवैधानिक सत्ता को स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संगठन में जो सुधार के कदम उठाए हैं, उसके बाद कार्यकर्ता द्वारा किया गया कार्य ही संगठन में उसके आगे बढ़ने का आधार



बनेगा। अब पद और जिम्मेदारी काम के आधार पर मिलेगी। जो कार्यकर्ता जमीन पर काम करेगा, बूथ तक संगठन को मजबूत करेगा, वही आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस के सभी नेता केंद्रीय नेतृत्व द्वारा लोकतंत्र की रक्षा के लिए उठाए गए कदमों के पीछे पूरी ताकत के साथ एकजुट होकर काम कर रहे हैं। कांग्रेस में विचारों का लोकतंत्र है, आंतरिक लोकतंत्र है। हम भाजपा की तरह नहीं हैं, जहां मोदी और शाह द्वारा एकतरफा संवाद को तरजीह दी जाती है। अंत में सभी नेताओं ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, चौपालों को सफल बनाने और वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया।

### *दीपक बैज ने भाजपा के तंत्र पर साधा निशाना*

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा ने देश में ऐसा तंत्र स्थापित कर दिया है, जिसमें सरकार का चुनाव वोट से न होकर सरकार के माध्यम से पहले उसकी इच्छा अनुसार मतदाता का चयन किया जा रहा है, फिर सरकार की इच्छा से चुने गए मतदाता के माध्यम से भाजपा की स्थायी सरकार की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि मंडल स्तरीय एवं बूथ स्तरीय चौपाल के माध्यम से हम जमीन तक लोगों को वोट चोरी के साथ भाजपा के राज में महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य की खराब व्यवस्था, कानून व्यवस्था, धान खरीदी में धोखाधड़ी सहित अन्य मुद्दों को पहुंचाएंगे। कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करना होगा।

### वोट की चोरी के खिलाफ सड़क पर संघर्ष

छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि कांग्रेस के पुरखों के खून-पसीने से प्राप्त इस देश की आजादी और उसे कायम करने वाले वोट के अधिकार का महत्व हमारे वे सभी बुजुर्ग जानते थे, जिन्होंने आजादी के संघर्ष को देखा था। आज वोट के उसी अधिकार की खुलेआम बेशर्मी के साथ चोरी की जा रही है, जिसके विरोध में कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में सड़कों पर संघर्ष कर रही है। आज राहुल गांधी फिर से संघर्ष के उसी इतिहास को दोहरा रहे हैं, जो अंग्रेजों के विरोध में कांग्रेस के महापुरुषों ने किया था।

### सिंहदेव ने स्थानीय मुद्दों पर किया प्रहार

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने राज्य के स्थानीय मुद्दों पर बात की। उन्होंने राशन कार्ड के विलोपित होने, भारी बिजली बिल, धान खरीदी में मनमानी जैसे विषयों पर बोलते हुए कहा कि सरकार डिजिटल प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर हितग्राहियों और लाभार्थियों के हितों पर हमला कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐन त्योहार के मौके पर डिजिटलीकरण के नाम पर बड़े पैमाने पर राशन कार्ड हितग्राहियों के राशन पर सरकार ने डकैती डाली है। एग्रीस्टैक पंजीयन के नाम पर बड़े पैमाने पर योग्य किसानों के रकबे को शून्य घोषित कर उन्हें अपात्र किया गया है। स्मार्ट मीटर के नाम पर पूरे प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं पर अनाप-शनाप और भारी बिजली बिल का भार थोप दिया गया। उन्होंने कहा कि वास्तव में वोट पर नियंत्रण के माध्यम से सरकार बनाने में प्रयासरत भाजपा को आम नागरिकों की परवाह नहीं रह गई है।

# कब्जा 30 से 60 साल का, फिर भी नहीं मिला भूमिस्वामी अधिकार

## बंगाली पुनर्वास विस्थापितों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, पट्टा देने की मांग

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** छत्तीसगढ़ पुनर्वास स्वाभिमान समिति अंबिकापुर ने बंगाली पुनर्वास विस्थापित परिवारों को भूमि स्वामी पट्टा दिलाने की मांग को लेकर कलेक्टर सरगुजा को ज्ञापन सौंपा। इसमें उल्लेख है कि 30 से 60 वर्षों से काबिज परिवारों को आज तक पट्टा नहीं मिला है, जिससे वे अपने ही घर-जमीन पर खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उनकी एक सूत्रीय मांग बंगाली पुनर्वास विस्थापित परिवारों के व्यक्तियों को आबंटन व कब्जानुसार भूमि स्वामी पट्टा प्रदान करना है, अन्यथा ऐसे परिवारों को अपूर्णीय क्षति होगी। भूमि व मकान से वंचित होने पर सम्पूर्ण परिवार के साथ बेघर होकर भूखे मरने की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। समिति के अध्यक्ष टी.डी. मण्डल, उपाध्यक्ष आशीष विश्वास, सचिव मानस कुमार घोष सहित अन्य ने बताया कि जिला सरगुजा के ग्राम चठिरमा, सरगंवा, सकालो, सुभाषनगर, भगवानपुर, अजिरमा एवं डिगमा में भारत सरकार पुनर्वास विभाग द्वारा आबंटित एवं शासकीय भूमि पर बंगाली पुनर्वास विस्थापित परिवारों का कब्जा विगत 30 वर्षों से लेकर 60 वर्षों तक है। उनकी मुख्य मांग है कि उक्त भूमि पर काबिज व्यक्तियों का स्थल निरीक्षण, पंचनामा, वास्तविक कब्जा का सर्वे जैसे मकान, बाड़ी, बोरिंग, शौचालय, बाउण्ड्री, पुराने वृक्ष आदि के संबंध में भौतिक सत्यापन करके सभी पुनर्वास स्थलों में काबिज बंगाली पुनर्वास विस्थापित व्यक्तियों का विधिवत सर्वे करके कब्जा विनिर्दिष्ट किया जाना सुनिश्चित



किया जाए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार पुनर्वास विभाग द्वारा बसाये गए बंगाली पुनर्वास विस्थापित परिवारों को सम्पूर्ण रूप से पट्टा प्रदान नहीं किया गया है तथा बंगाली पुनर्वास विस्थापित परिवार के सदस्यों एवं उनके आश्रितों को कब्जानुसार पुनर्वास काबिज भूमि का पट्टा दिया जाना नितांत आवश्यक है।

### *वारिसों को भी मिले अधिकार*

समिति ने मांग की है कि पुनर्वास विभाग द्वारा आबंटित भूमि के मुखिया की मृत्यु हो जाने के कारण उनके वारिस या उत्तराधिकारी, भूमि पर काबिज परिवार के व्यक्ति को कब्जानुसार अधिकार प्रदान किया जाए। कहा गया है कि इसी भूमि पर विस्थापित परिवार के काबिज सदस्य मकान, बाड़ी तैयार करके सपरिवार निवास, कृषि व अन्य कार्य करके अपना व परिवार का जीवनयापन कर रहे हैं। ज्ञापन में मध्यप्रदेश शासन पुनर्वास विभाग के ज्ञापन दिनांक 11.10.1989 व तत्कालीन विधायक मदन गोपाल सिंह के संकल्प पत्र दिनांक 16.04.1990, आदेश दिनांक 09.04.1990 का उल्लेख किया है, जिसमें जिलाध्यक्ष सरगुजा राजस्व ग्राम घोषित कर पुनर्वासित क्षेत्र में विस्थापितों को आबंटित एवं कब्जा की भूमि में भूमिस्वामी पट्टा प्रदान का हवाला दिया गया है।

### *दूसरों को अग्रिम आधिपत्य का आरोप*

समिति ने आरोप लगाया है कि जिला सूरजपुर, सरगुजा, बलरामपुर में शासन द्वारा पुनर्वास विस्थापित व्यक्तियों के लिए आरक्षित, आबंटित एवं काबिजकास्त भूमि को उनकी जानकारी के बिना ही गोपनीय तरीके से उनकी जानकारी के बिना ही पटवारी प्रतिवेदन आहूत कर भूमि की वास्तविकता आवास, निवास एवं काबिजकास्त व्यक्तियों की अनदेखी की गई और मौके पर जमीन को रिक्त बताकर कलेक्टर कार्यालय को अग्रिम आधिपत्य प्रदान किया जा रहा है, जिससे मौके पर काबिज पुनर्वासित परिवारों में रोष है। समिति ने कहा कि पुनर्वास विस्थापितों के लिये आरक्षित भूमि पर कोई भी संस्था शासकीय प्रयोजन हेतु निर्माण कर सामाजिक एवं व्यापारिक व्यक्तियों को शासन द्वारा अग्रिम आधिपत्य देकर पुनर्वास विस्थापितों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है जो पुनर्वास विधि, नीति व निर्देशों के विपरीत है।

## मारपीट के मामले में कार्रवाई नहीं, सर्व आदिवासी समाज थाने पहुंचा



**छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर।** छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष बसंत कुजूर मंगलवार को वाड्रफनगर विकासखंड के ग्राम सरना में आयोजित सामाजिक बैठक में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान ग्राम सरना निवासी दुबराज ने उनसे मुलाकात करके अपने परिवार के साथ हुई मारपीट और जमीन पर कब्जा करने के प्रयास के मामले में शिकायत पत्र सौंपा।

दुबराज ने बताया कि करीब चार माह पूर्व खेत में रोपा लगाने के दौरान गांव के ही कुछ लोगों द्वारा उनकी भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था। जब उन्होंने और उनके परिजनों ने इसका विरोध किया, तो कथित तौर पर कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से उनके परिवार लोगों और महिलाओं पर हमला कर दिया। इस घटना में परिवार के कई सदस्यों को गंभीर चोटें आई थीं। मामले को लेकर रघुनाथनगर थाने में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई गई थी, लेकिन पीड़ित परिवार के अनुसार अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। मामले की जानकारी मिलने पर जिला अध्यक्ष बसंत कुजूर समाज के दो दर्जन से अधिक लोगों के साथ रघुनाथनगर थाना पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी लेते हुए निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसी भी पीड़ित परिवार को न्याय के लिए लंबे समय तक भटकना न पड़े। शिकायत पर समयबद्ध कार्रवाई होना आवश्यक है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की।

# नर्सिंग स्टाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर, भर्ती मरीजों की संख्या कम करने की तैयारी

## चार साल की डिग्री के बाद भी 2800 ग्रेड पे से नाराज, कहा-4800 नहीं तो






**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ के बैनर तले ग्रेड पे वेतनमान सहित अन्य मांगों को लेकर मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल के नर्सिंग कर्मियों ने बुधवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है, जिससे मरीजों की परेशानी बढ़ सकती है। आपातकालीन चिकित्सा के अलावा ऑपरेशन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के प्रभावित होने का खतरा है। आंदोलनकारियों ने कहा है कि अगर इस दौरान मरीजों के साथ कुछ भी अनुचित होता है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी प्रदेश के मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री की होगी। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि इससे पहले कई बार सरकार को ज्ञापन सौंपा गया, सांकेतिक प्रदर्शन किया गया, लेकिन सरकार ने उनकी सुध नहीं ली, जिस कारण मजबूर होकर हड़ताल करने का फैसला लिया गया है। इधर अस्पताल अधीक्षक ने कहा कि जिस प्रकार सेवा दे रही नर्सिंग सिस्टर और स्टाफ नर्सों के भी इनके समर्थन में आगे आने की बातें सामने आ रही है, उससे दिक्कत की स्थिति बन सकती है।

संगठन की प्रदेश सचिव अन्नपूर्णा ने कहा कि वे चार साल की पढ़ाई करके डिग्रीधारी बनते हैं, इसके बावजूद उन्हें 2800 ग्रेड पे दिया जा रहा है। वहीं 6 महीने, 18 महीने और 1 साल का कोर्स करने वालों को भी वही 2800 ग्रेड पे मिल रहा है। डॉक्टर का कोर्स भी चार साल का होता है और नर्सिंग का भी, लेकिन दोनों में बहुत फर्क है। उन्होंने कहा कि 14-15 साल से भी ज्यादा समय से सीनियर दीदियां इस वेतन विसंगति को दूर करने के लिए संघर्षरत हैं। अब उनकी एक ही मांग है कि ग्रेड पे 4800 दिया जाए। अगर सरकार 4800 नहीं दे सकती तो 4400 का जो बना हुआ प्रस्ताव है, उसे ही पारित कर दें, ताकि काम करने में थोड़ी संतुष्टि मिले। उन्होंने बताया कि इस हड़ताल में मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल और दोनों के ही नियमित संवर्ग के कर्मचारी शामिल हैं। संविदा और डेली वेजेस कर्मचारियों को नुकसान न हो, इसलिए उनसे सिर्फ आधा समय देने के लिए अनुमति मांगी गई है। आंदोलनकारियों ने कहा कि काम प्रभावित हो, यह वे कभी नहीं चाहते थे, लेकिन बार-बार मांग के बाद भी सरकार सुध नहीं ले रही। अगर इस दौरान मरीजों को कुछ भी अनुचित होता है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री की होगी।

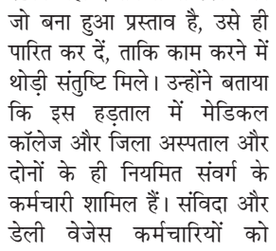
### *कर्मचारी फेडरेशन ने दिया समर्थन*

संगठन सचिव ने कहा कि कर्मचारी संघ के आह्वान पर वे यहां समर्थन देने आए हैं। पटवारी भाइयों को उचित मांग रखने पर निलंबित किया जा सकता है, तो कल यही स्थिति नर्सिंग कर्मियों के साथ भी हो सकती है। इसलिए उन्होंने फेडरेशन को समर्थन दिया है और फेडरेशन से भी समर्थन मांगा है। उन्होंने कहा कि हम मरीज के साथ 24 घंटे खपते हैं, हवा से फैलने वाले रोगों में भी अपनी जान की परवाह किए बिना काम करते हैं, लेकिन सरकार हमारी बात नहीं समझ पा रही। मरीजों की परेशानी पर उन्होंने कहा कि हर बार हम ही जिम्मेदार ठहराए जाते हैं। हम प्रतिज्ञा लेते हैं कि हमारी वजह से किसी की जान न जाए। इस बार 3 दिन तक कैंपस में ही हड़ताल करेंगे, उसके बाद मुख्यमंत्री के पास जाकर अपनी मांग रखेंगे।

### *14 वर्ष से संघर्ष के बीच जेल गए, सैलरी रूकी*

संघ की अध्यक्ष मालती सिंह उपाध्यक्ष प्रज्ञा सिंह ने बताया, बीते 25 सितम्बर को ही वे अपनी मांगों की पूर्ति नहीं होने की स्थिति में अनिश्चितकालीन हड़ताल में जाने की सूचना दे चुके हैं। 16 नवम्बर को पुन: इसकी सूचना देने के बाद पसेवा से पृथक होकर हड़ताल की ओर अग्रसर हुए हैं। तीन दिन तक अस्पताल परिसर में हड़ताल के बाद वे रायपुर जाकर सीएम और स्वास्थ्य मंत्री का घेराव करेंगे। उन्होंने कहा कि, विगत 14 वर्षों से वे छत्तीसगढ़ राज्य में नर्सिंग संवर्ग ग्रेड पे वेतनमान के लिए संघर्षरत हैं। राज्य के नर्सिंग संवर्ग द्वारा 18 मई 2018 से 2 जून तक 16 दिनों का आंदोलन किया गया, जून माह में 1 और 2 तारीख को सभी नर्सिंग संवर्ग जो आंदोलन स्थल पर थीं, उन्हें सेंट्रल जेल में रखा गया, तत्पश्चात एक कमेटी का गठन हुआ जो सितंबर 2018 में अपनी रिपोर्ट दी, पर उसे लागू करने के स्थान पर 30 जून 2021 को अमान्य कर दिया गया। 2023 में पुन: आंदोलन हुआ जिसमें तत्कालीन सरकार ने कई लोगों को बर्खास्त कर दिया, सैलरी रोकी, लेकिन ग्रेड पे का लाभ नहीं मिला।

### अधीक्षक ने कहा-120 स्ट्राइक में नहीं, फिर भी चैलेंज कम नहीं



अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या ने बताया कि नर्सिंग स्टाफ के अनिश्चितकालीन आंदोलन को देखते हुए उन्होंने आपातकालीन बैठक करके नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्यों से ऐसे स्टूडेंट का सहयोग मांगा है, जो 3-4 वर्ष से प्रशिक्षण ले रहे हैं। इन्हें एक्सपर्ट स्टाफ के साथ ड्यूटी में लगाया गया है। उन्होंने कहा कि हड़ताल को देखते हुए फिलहाल ऐसे मरीजों को डिस्चार्ज किया जाएगा, जिनके ऑपरेशन का प्लान आगे किया जा सकता है। उन्होंने चिकित्सा सेवाओं में प्रभाव को स्वीकारते हुए कहा कि, अगर एक्सपर्ट नर्सें भी स्टाफ नर्सों के हड़ताल में शामिल होती हैं, तो दिक्कत की स्थिति बनेगी, यह हमारे लिए चैलेंज होगा। उन्होंने बताया कि 279 स्टाफ नर्सों में रोजाना करीब 250 नर्सें ड्यूटी पर रहती हैं। इनमें से 120 ने लिखित में स्ट्राइक में नहीं जाने की बात कही है। वहीं नर्सिंग सिस्टर 35 हैं, जो नर्सिंग छात्राओं के साथ आईसीयू के अलावा वार्डों और आपातकालीन चिकित्सा में लगी हैं। डॉ. आर्या ने बताया कि राउंड के दौरान बुधवार को किसी प्रकार की विशेष दिक्कत सामने नहीं आई है, लेकिन आगे स्थिति को बनाए रखना चैलेंज से कम नहीं है।

# गुंडा-बदमाशों की जानकारी सीआरए पोर्टल्स पर अनिवार्य रूप से प्रविष्ट करें

## डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा ने लंबित अपराधों को 10 प्रतिशत तक सीमित करने कहा

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल 18 नवंबर को पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर में जिले के राजपत्रित अधिकारियों एवं समस्त थाना, चौकी प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में इनसे लंबित पुराने अपराधों, मर्ग, लंबित शिकायतों, गुम इंसान एवं खात्मा स्वीकृत मामलों की समीक्षा कर प्रभारियों को इनके शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए, साथ ही कानून व्यवस्था की स्थिति और आगामी कार्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश जारी किए गए। पुराने लंबित चालानों को शीघ्र न्यायालय में पेश करने, खात्मा, खारिजी प्रकरणों का निराकरण करने तथा जिले की कुल अपराध पेंडेंसी को 10 प्रतिशत तक सीमित करने के निर्देश दिए गए। लंबित स्थाई वारंटों की समीक्षा करते हुए उन्होंने शत-प्रतिशत तामीली सुनिश्चित करने कहा। गुंडा-बदमाशों की जानकारी सीआरए पोर्टल्स पर अनिवार्य रूप से प्रविष्ट करने, वात्सल्य ऐप में निरंतर एंट्री करने तथा आईरेड पोर्टल पर दुर्घटनाओं एवं अन्य डेटा की समयबद्ध एंट्री करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने चोरी एवं नकबजनी के लंबित मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने तथा शत-प्रतिशत सामान बरामद करने कहा। एनसीआरपी पोर्टल एवं एमआरएम पोर्टल पर प्राप्त लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने, म्यूल अकाउंट से जुड़े मामलों में सख्त वैधानिक कार्रवाई करने तथा आईटी एक्ट के मामलों के प्रभावी विवेचना हेतु विशेष सेल गठित करने के निर्देश दिए।

क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की समीक्षा की गई। साथ ही, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, आबकारी एक्ट और अन्य माइनर एक्ट के तहत अवैध गतिविधियों पर सख्त प्रहार करने तथा मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई



बढ़ाने कहा। आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ करने हेतु सभी थाना एवं चैकी प्रभारियों को नियमित रूप से नाइट पेट्रोलिंग और प्रभावी विजिबल पुलिसिंग सुनिश्चित करने कहा गया। भीड़-भाड़ वाले स्थानों, संवेदनशील स्थानों पर विजिबल पुलिसिंग करने एवं प्रभावी गस्त करने हेतु निर्देशित किया गया। समीक्षा बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी व राजेश देवांगन, नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक बी, ग्रामीण एसडीओपी राकेश बघेल, एसडीओपी सीतापुर तुल सिंह पट्टावी, थाना प्रभारी दरिमा प्रशिक्षु डीएसपी निशांत गौरव कुर्रे, स्टेनो फबियानुस तिर्की, थाना प्रभारी कोतवाली व गांधीनगर, रीडर अमित पाण्डेय, साइबर सेल प्रभारी सहित जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

### *सीसीटीएनएस 2.0 एवं तकनीकी संसाधन दिए गए*

एसएसपी राजेश अग्रवाल ने कहा सीसीटीएनएस 2.0 परियोजना के तहत थानों के कार्यों को और अधिक गति देने व डिजिटल बनाने हेतु उच्च गुणवत्तायुक्त आधुनिक कंप्यूटर, मोबाइल, टैबलेट और प्रिंटर वितरित किए गए हैं। इसके अंतर्गत कुल 24 कंप्यूटर, 28 मोबाइल, 16 टैबलेट और 10 प्रिंटर प्राप्त हुए हैं, जिनका उपयोग कर सभी ऑनलाइन कार्य और डेटा एंट्री तेजी से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने समाधान ऐप में लगातार अद्यतन एंट्री करने तथा सीसीटीएनएस के तहत आईआईएफ-1 से आईआईएफ-5 तक के डेटा की समयबद्ध एंट्री सुनिश्चित करने कहा।

# आदिवासी इतिहास को आदिवासी नजरिए से लिखने पर जोर

## पीजी कॉलेज में जनजातीय गौरव सप्ताह पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शुरू



**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** शहर के राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। सेमिनार का विषय जनजातीय इतिहास, संस्कृति और साहित्य रखा गया है। पहले दिन उद्घाटन सत्र के साथ ही दो तकनीकी सत्र और एक ऑनलाइन सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें देशभर के शोधार्थियों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि नगर निगम की महापौर मंजूषा भगत, विशिष्ट अतिथि जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष मनोज गुप्ता, अतिविशिष्ट अतिथि व आधार वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त आईएएस व वरिष्ठ कवि-कथाकार डॉ. संजय अलंग उपस्थित रहे। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिन्हा ने की। उद्घाटन के बाद प्रथम तकनीकी सत्र हुआ। इसमें इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज से आए डॉ. जनार्दन गोड़ मुख्य वक्ता रहे और अध्यक्षता प्रो. आरपी सिंह ने की। डॉ. जनार्दन ने कहा जनजातीय समाज हर तरह की लड़ाइयों में सबसे पहले शामिल रहा है और उसका इतिहास बहुत पुराना है। इस इतिहास को सामने लाना ही हमारी बड़ी जिम्मेदारी है। प्रो. आरपी सिंह ने जनजातीय समाज के अंतर्विरोधों के सवाल को प्रमुखता से उठाया। प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल समृद्ध करने वाले होते हैं, बल्कि हमें शोध की नई दिशाओं की ओर भी ले जाते हैं। द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. सुषमा भगत ने की। इसमें दस से ज्यादा शोधार्थियों ने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। इसके साथ ही एक समानांतर ऑनलाइन सत्र भी हुआ, जिसमें देश के अलग-अलग कोने से जुड़े शोधार्थियों ने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। इस सत्र का संयोजन विनीत गुप्त ने किया और अध्यक्षता डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी ने की। स्वागत वक्तव्य अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एसएन पाण्डेय ने दिया। सेमिनार के समापन सत्र में गुरूवार को जनजातीय साहित्य, जनजातीय गौरव के विविध आयाम और प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए जाएंगे। सेमीनार का संचालन संजीव कुमार लकड़ा ने, विषय प्रवेश सेमिनार के संयोजक सुनील अजित कुमार केरकेट्टा ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रदीप कुमार एक्का ने दिया।

***आदिवासी संस्कृति को जीवन में उतारना होगा***-मुख्य अतिथि मंजूषा भगत ने कहा कि यदि हम अपने जीवन-व्यवहार में आदिवासी संस्कृति को शामिल करेंगे, तभी आदिवासी सभ्यता को बचा पाएंगे। उन्होंने शोधार्थियों और इतिहासकारों से अपील की कि वे इतिहास को आदिवासी नजरिए से देखें और उस इतिहास को सबके सामने लाएं, जो अभी तक मुख्यधारा में शामिल नहीं हो पाया है। विशिष्ट अतिथि मनोज गुप्ता ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा से प्रेरणा लेते हुए आदिवासी नायकों को याद करना और उनके अधिकारों के पक्ष में खड़ा होना ही सच्चा जनजातीय गौरव है।

***एआई युग में आदिवासी भाषाओं को बचाना चुनौती***-डॉ. संजय अलंग ने कहा कि वास्तव में हम सब आदिवासी हैं। अपनी मूल संस्कृति का पालन करना और उस दिनचर्या को अपनाना ही आदिवासी संस्कृति का आधार है। उन्होंने कहा कि आने वाला युग एआई का युग है। यदि हम अपनी जनजातीय संस्कृति, यहां तक कि भारतीय संस्कृति को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें अपनी आदिवासी भाषाओं में संरक्षित साहित्य को डिकोड करने की प्रणाली सीखनी भी होगी और उसे बचाना भी होगा।

# सीने में अचानक उठा दर्द, महिला की मौत

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** गांधीनगर थाना क्षेत्र के अजिरमा रेलवे स्टेशन के पास रहने वाली एक महिला के सीने में अचानक दर्द उठा, अस्पताल ले जाने पर जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिला के बसदेई पुलिस चैकी के ग्राम चोपन की कमला गुप्ता पति अजय गुप्ता 44 वर्ष वर्तमान में गांधीनगर थाना अंतर्गत रेलवे स्टेशन अंबिकापुर में अपने पुत्र-पुत्री और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहती है। मृतिका के पुत्र अनिल कुमार गुप्ता ने पुलिस को दिए गए बयान में बताया है कि 17 नवम्बर को वह खाना खाकर रात 10 बजे घर में ही बैठा था, इसी दौरान उसकी मां को अचानक सीने में दर्द होने लगा। उसकी पत्नी ज्योतिमा साहू एवं बहन अंजली गुप्ता मां को राहत देने के लिए सीने में मालिश करने लगे। राहत नहीं मिलने पर वह जीजा जितेन्द्र सिंह को फोन किया तो वे ऑटो लेकर आए।देर रात 11.30 बजे उन्हें मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौत का वास्तविक कारण जानने के लिए मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 ( छत्तीसगढ़ ) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर